RNI No. MAHHIN/2020/78591

MUMBAI TARANG

मुंबई तरंग

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ वर्ष-01 ❖ अंक-41 ❖ मुंबई ❖ रविवार 04 से 10 अक्टूबर 2020 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

जय श्री राम
Yogi 8156045100
Bimal Patel 8401886537
YOGI
Property
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

पेज 3
कोरोना पॉजिटिव होने पर शुगर पेशंट्स को ज्यादा खतरा, जानें क्या है वजह?

पेज 5
कोरोना का टीका लगवाने के बाद दिख सकते हैं ये दो लक्षण

पेज 7
शो में अमिताभ बच्चन ने बताया लॉकडाउन में प्रवासी मजदूरों को हवाई जहाज से घर पहुंचाया

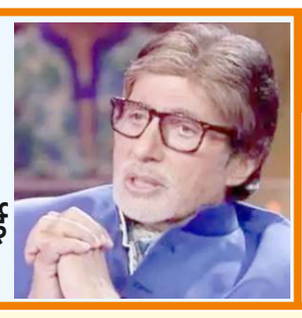

पेज 8
सड़क पर थूकनेवालों पर बीएमसी की कार्रवाई, जानिए किस इलाके में सबसे अधिक हुई वसूली

यूपी में रामराज है या जंगलराज : शिवसेना

हाथरस गैंगरेप मामले में शिवसेना ने पार्टी के मुखपत्र सामना में उत्तरप्रदेश की योगी सरकार पर निशाना साधा है। सामना में कहा गया है कि 'यूपी में रामराज्य नहीं, जंगलराज है।' सामना में लिखा गया है कि यह कैसा हिंदुत्व है कि जब एक अभिनेत्री का अवैध निर्माण तोड़ा जाता है, तो इसकी जोरदार आलोचना की जाती है। लेकिन, जब एक लड़की के साथ रेप होता है और उसकी हत्या कर दी जाती है तो चुप रहा जाता है।

संपादकीय में कहा गया कि पीड़ित लड़की के परिजनों से मिलने जा रहे राहुल गांधी को प्रशासन ने न सिर्फ रोका बल्कि उनका कॉलर पकड़कर उनसे धक्का-मुक्की करके जमीन पर गिरा दिया। देश के एक प्रमुख विरोधी दल के नेता के साथ ऐसा व्यवहार और उनका अपमान लोकतंत्र के 'गैंगरेप' होने जैसे लक्षण हैं।राहुल पर हमला करने वाले गांधी परिवार की कुर्बानी नहीं समझेगा संपादकीय में लिखा गया,'राहुल गांधी कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष हैं, राहुल गांधी महान इंदिरा गांधी के पौत्र और जुझारू राजीव गांधी के सुपुत्र हैं। इंदिरा और राजीव गांधी देश की संप्रभुता के लिए शहीद हुए। लेकिन देश के लिए खून छोड़िए, पसीने की एक बूंद भी जिन्होंने नहीं बहाई, ऐसे सत्ताधीशों के आदेश पर राहुल गांधी पर हमला किया गया। ऐसे लोग गांधी परिवार की कुर्बानी को नहीं समझेंगे।' खुद को फकीर बताने वाले पीएम को दुनिया की सबसे बड़ी सुरक्षा मिली

प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना करते हुए लिखा, 'उत्तरप्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ संन्यासी हैं, वह भगवा कपड़ा पहनकर घूमते हैं। मोदी तो फकीर हैं लेकिन पीएम मोदी को दुनिया की सर्वोच्च दर्जे की सुरक्षा प्राप्त है। योगी को भी बड़ी सुरक्षा मिली है।' सुरक्षा हटने पर आंसू बहाने लगे थे योगी महाराज सीएम योगी पर तंज कसते हुए सामना में लिखा है कि अखिलेश सरकार ने एक बार योगी की सुरक्षा हटाई, तब संसद में यही योगी महाराज आंसू बहाने लगे थे। आज वही योगी मुख्यमंत्री हैं लेकिन अबलाएं और माताएं सुरक्षित नहीं हैं। बलात्कार की शिकार हुई अबला की लाश को पुलिस पेट्रोल डालकर जला रही है। यह नराधमी कृत्य हिंदुत्व की किस परंपरा के अंतर्गत आता है? लाश का अपमान नहीं किया जाना चाहिए, लाश का सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार होने का अधिकार है। अब हिंदुत्व का शंखनाद ठंडा क्यों पड़ा महाराष्ट्र के पालघर में दो संतों की हत्या का जिक्र करते हुए सामना लिखता है कि पालघर में दो साधुओं की भीड़ ने हत्या कर दी थी। तब पीड़ा से तड़पने वाले योगी का बयान हमने सुना है। पूरी भाजपा तब हिंदुत्व के नाम से शंख फूंक रही थी। तो फिर हाथरस और बलरामपुर प्रकरण में हिंदुत्व का शंखनाद ठंडा क्यों पड़ गया है?सुशांत पर चर्चा करने वाले अब हाथरस पर क्यों चुप है

सामना में आगे लिखा है,'मुंबई में सुशांत सिंह राजपूत ने आत्महत्या की या उसका खून हुआ, इस पर भाजपा प्रवक्ताओं ने चैनलों पर खूब चर्चा की। लेकिन हाथरस में एक लड़की से बलात्कार हुआ ही नहीं, इसके लिए सब लोग अब अपना वाक कौशल दिखा रहे हैं। यह शर्मनाक है। पीड़िता ने कैमरे के सामने बताया कि बलात्कार हुआ है। मृत्यु पूर्व दिए गए उस बयान का कोई मतलब नहीं है क्या? उस लड़की की इज्जत की रक्षा नहीं की जा सकी और उसकी जान भी नहीं बचाई जा सकी।

महाराष्ट्र में 14 लाख 16 हजार के पार पहुंची संक्रमितों की संख्या

मुंबई, महाराष्ट्र में कोरोना का प्रकोप जारी है, बीते 24 घंटों में यहां कोरोना संक्रमण के 15,591 नए मरीज सामने आये और 424 संक्रमितों की मौत हो गयी। 13,294 संक्रमितों को इलाज के बाद अस्पताल से घर भेजा जा चुका है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार राज्य में कुल संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 14,16,513 तक पहुंच चुकी है और अब तक कुल 37,480 संक्रमितों की मौत दर्ज की जा चुकी है। 11,17,720 मरीजों को इलाज के बाद स्वस्थ पाये जाने पर अस्पताल से घर भेजा जा चुका है और 2,60,876 मरीज सक्रिय बताये गये हैं जिनका कोविड अस्पतालों में इलाज हो रहा है। मुंबई में शुक्रवार को कोरोना संक्रमण के 2,440 नए मरीज सामने आये और 42 मौतें दर्ज की गयी। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के अनुसार राजधानी मुंबई में अब तक कुल 9,011 लोगों की इस संक्रमण के कारण मौत हो चुकी है और 28,472 मरीज सक्रिय हैं जिनका कोविड अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

महाराष्ट्र में बीते वीरवार को 16,476 नए कोरोना मरीजों की पुष्टि हुई थी और 394 की मौत दर्ज की गयी थी। 16,104 मरीजों का कोरोना टेस्ट नेगेटिव आने के बाद उन्हें घर भेज दिया गया था। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक राज्य में कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 14,00,922 तक पहुंच गयी थी जिनमें से 37,056 संक्रमितों की मौत दर्ज की गयी थी। कुल 11,04,426 संक्रमितों को इलाज के बाद अस्पताल से घर भेजा गया था। 2,59,006 मरीज सक्रिय बताये गये थे जिनका कोविड अस्पतालों में इलाज हो रहा है।

सीबीआइ की कार्रवाई पर महाराष्ट्र के गृहमंत्री देशमुख ने उठाया सवाल

मुंबई, बॉलीवुड अभिनेता सुशांतसिंह राजपूत की मौत मामले पर महाराष्ट्र के गृहमंत्री अनिल देशमुख ने कहा कि, लोग पिछले डेढ़ महीने से सीबीआइ के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। सुशांतसिंह राजपूत की मौत आत्महत्या से हुई थी या उनकी हत्या हुई थी यह अभी भी एक पहेली बना हुआ है? मुंबई पुलिस इस मामले की बहुत अच्छी तरह से जांच कर रही थी लेकिन अचानक मामला सीबीआइ को सौंप दिया गया। सीबीआइ को जल्द से जल्द कुछ निर्णय लेना चाहिए।

महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने पहले भी एक बयान जारी कर कहा था कि वह भी सीबीआइ जांच के निर्णय का उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं। उनका कहना था कि सुशांत मामले की जांच मुंबई पुलिस भी पूरे पेशेवर तरीके से की जा रही थी फिर अचानक यह जांच सीबीआइ को ये क्यों सौंप दी गयी। बता दें कि सुशांत मामले की जांच मुंबई पुलिस से लेकर सीबीआइ को सौंपे जाने को लेकर काफी राजनीति हो चुकी है। गौरतलब है कि 14 जून 2020 को बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की उनके बांद्रा स्थित घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी थी सुशांत का शव उनके कमरे के पंखे से लटका हुआ मिला था। इस पर सीबीआइ (केंद्रीय जांच ब्यूरो) का कहना है कि वह पूरे मामले की जांच पेशेवर तरीके से कर रही है। जांच का क्रम अभी जारी है हम अभी किसी निर्णय पर नहीं पहुंचे हैं। इस बारे में अभी किसी भी पहलू को खारिज नहीं किया जा सकता। जबकि सुशांत सिंह परिवार के वकील विकास सिंह ने इस मामले की जांच से भटकने का आरोप लगाते हुए कहा था कि एम्स (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान) के डॉक्टर ने फोटो देख कहा था कि यह साफ-साफ हत्या का मामला लग रहा है। गौरतलब है कि सीबीआइ की एक टीम मुंबई में करीब एक माह तक सुशांत मामले की जांच कर दिल्ली लौट चुकी है। इस दौरान सीबीआइ की टीम ने सुशांत के घर में तीन बार सीन रीक्रिएट किया था और सिद्धार्थ पिठानी और नीरज कुमार से कई-कई घंटे पूछताछ की थी। सीबीआइ इस मामले में सुशांत की बहन मीतू सिंह से भी पूछताछ कर चुकी है।

मराठा आरक्षणः मांग पूरी नहीं की तो 10 अक्टूबर को मातोश्री के बाहर आंदोलन की चेतावनी

मुंबई, मराठा आरक्षण के मामले को लेकर एक बार फिर से आंदोलन जोर पकड़ रहा है। आरक्षण की मांग करने वालों ने सरकार को चेताया है कि उनकी मांगों को नहीं माना गया तो वे फिर से सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे। बता दें कि मराठा आरक्षण को लेकर देश के सर्वोच्च न्यायालय ने रोक लगा रखी है। आरक्षण की मांग करने वालों का आरोप है कि ठाकरे सरकार की लापरवाही के कारण ही आरक्षण को कोर्ट ने स्थगन दिया। सरकार ने मराठा समाज के लोगों की बातों को कोर्ट में मजबूती के साथ नहीं रखा, इसलिए कोर्ट ने स्थगन दिया। मुंबई मराठी पत्रकार संघ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मराठा संघर्ष समिति के सदस्य सुरेश पाटील ने कहा कि उनकी मांगों को नहीं माना गया तो समाज के लोग 10 अक्टूबर को सरकार के खिलाफ आंदोलन करेंगे।

सुरेश पाटील ने कहा कि समाज के उत्थान को लेकर सरकार से हमने कुछ मांग की है, जिसे अगर 9 अक्टूबर तक पूरा नहीं किया गया तो एक दिन बाद यानी 10 अक्टूबर को महाराष्ट्र बंद किया जाएगा। मराठा क्रांति मोर्चा ने सरकार और मुख्यमंत्री को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर समाज को आरक्षण नहीं मिला तो मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के निजी निवास स्थान मातोश्री के बाहर बड़ी संख्या में जनता आंदोलन करेगी।

मराठा क्रांति मोर्चा ने सरकार से समाज के युवाओं को नौकरी और शिक्षा में आरक्षण देने की मांग की है। मराठा क्रांति मोर्चा के अबा पाटील ने कहा, 'मराठा आरक्षण के स्थगन के बाद एक प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की गई है, जिसे लेकर मुख्यमंत्री को संबंधित अधिकारियों के नामों की घोषणा और बाहर आकर लोगों से बातचीत करनी चाहिए। आबा पाटील ने मांग की है कि सरकार को पहले आरक्षण की भूमिका स्पष्ट करनी चाहिए और फिर परीक्षा आयोजित करनी चाहिए।'

पोलीस जाणीव सेवा संघ महाराष्ट्र राज्य इस संस्था के संस्थापक अध्यक्ष श्री रवी फडणीस, महाराष्ट्र संपर्क प्रमुख श्री संजय राजेश शेकोकर और महाराष्ट्र प्रसिद्धि प्रमुख श्री शहाजी जगन्नाथ माने इन सभी मान्यवरों की तरफ से अपने आश्रय ट्रस्ट के संस्थापक और पोलीस बातमी पत्र के संपादक श्री दिपक मोरेश्वर नाईक जी ने ग्लोबल पेंडेमिक डिसीस प्रकार के कोवीड-19 महामारी के बढ़ते प्रादुर्भाव के समय लॉकडाऊन कार्यकाल में गरीब और गरजवंत जनता को दवा और राशन सामग्री देकर मदत की इस अत्यावश्यक सेवा करने पर उन्हें पोलीस जाणीव सेवा संघ की ओर से उन्हें कोविड योध्दा पद के प्रशस्ती पत्र देकर सन्मान किया गया।

सरकारी अनाज का गोलमाल कर रहे गैंग की खबर देनेवाले को जान से मारने की धमकी

प्रतिनिधि - मुंबई बोरीवली के टमाटर मार्केट आई.सी. कॉलोनी स्थित जूने गोदाम में सरकारी अनाज का ट्रक खाली कर रहे हैं और उसी जगह सरकारी प्रिंट के गोनी (थैली) खाली कर वही अनाज दूसरे गोनी में भरने का कारोबार चल रहा है। ऐसी खबर जागरूक नागरीक अनिल अग्रवाल ने एम एच बी पुलिस स्थानक को दी थी। लेकिन पुलिस ने यह खबर गंभीरतापूर्वक नहीं ली। यह ध्यान में आते ही, अनिल अग्रवाल ने स्वयं एम एच बी पुलिस स्थानक के उपनिरीक्षक साळवे से की, तब भी इस गोलमाल कारोबार पर अनदेखी की गयी। लेकिन बार बार कहने पर पुलिस वहां पहुंची, तभी वहाँ 4 से 5 बड़ी गाड़ियां थी। पुलिस आते ही, सिर्फ वहाँ एक गाड़ी रही और बाकी निकल जाने में कामयाब हुआ। तभी वह गाड़ी पकड़कर पुलिस ने मुखिया को न पकड़कर सिर्फ हमाली और रोजदारी करनेवाले पर गुनाह दर्ज किया।

इस कारोबार में सूत्रधार दीनानाथ यादव, राजकुमार केसरवानी, मुकादम हसन बंगाली, नवीन अग्रवाल और इनके 10 से 15 साथी है। ऐसी खबर जागरूक अनिल अग्रवाल ने दी। गाड़ी नंबर, और वीडियो शूटिंग इतनी विस्तृत जानकारी पुलिस को दी। तभी पुलिस स्टेशन के गेट पर गोलमाल गैंग के दीनानाथ यादव, दिलीप ठक्कर, अशोक ठक्कर और राजकुमार केसरवानी इन्होंने अनिल अग्रवाल से धक्का मुक्की कर 'तुम्हारे पूरे परिवार और तुम्हें जान से मारेंगे, ऐसी धमकी दी, इस कारण अनिल अग्रवाल अपने परिवार सहित बाहर भटक रहे हैं और यह सारी जानकारी पुलिस को बताकर भी उपरोक्त गोलमाल गैंग पर कोई कारवाई नहीं हो रही है। इस कारण पुलिस के कार्य पद्धति पर जनता शक कर रही है। यह गोलमाल गैंग की पहुँच ऊंची है और गोलमाल कारोबार भी बड़ा है। इस कारण पुलिस कारवाई करने में हां - ना कर रही है। यह ध्यान में रखते हुए जनता ने जागरूक होकर अनाज के गोलमाल कारोबार पर आवाज उठाकर इस गैंग पर कारवाई के लिए आगे आना जरूरी है। ऐसी प्रतिक्रिया यहां के जागरूक नागरिक करने लगे हैं।

महिलाओं से दरिन्दगी और डावांडोल सरकारी प्रबंध

उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक लड़की के साथ सामूहिक दुराचार और हत्या के मामले ने समाज को बुरी तरह झकझोर कर रख दिया है। इससे खौफनाक और संवेदनहीनता का मामला तब सामने आया जब लड़की की मृत देह का अंतिम संस्कार भी पुलिस ने आधी रात को खेतों में ही कर दिया। पीड़ित परिवार पुलिस पर दोष लगा रहा है कि पारिवारिक सदस्यों को मृतका का मुंह भी नहीं दिखाया गया। पुलिस की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। व्यवस्था अभी दबंग व बुरे का अंतर ढूंढने में लगी है। जातपात की जकड़ बहुत मजबूत बनी हुई है। अपराध करने का एक ही ढ़ंग बन गया है कि सबूत मिटाने के लिए हत्या कर दो और अपराधियों को भी यही डर था कि पीड़िता के बच जाने पर वह उनकी पोल खोल देगी। फिरौतियों के लिए बच्चे अगवा करने के मामलों में भी तो यही होता है ।

अपहरणकर्त्ता बच्चों के आसपास के या जानकार ही होते हैं। बच्चों को समझ होती है और वह दोषियों का नाम ले सकते हैं, जिस कारण अपहरणकर्त्ता उनको मौत की नींद सुला देते हैं। एक अपराध की सजा से बचने के लिए दूसरा अपराध किया जाता है। पुलिस की कार्यवाही भी फिल्मी कहानियों की तरह चलती है।

पुलिस बहुत बार समाज की आंखों में धूल झोंकने के लिए और कागजी कार्यवाही पूरी करने के लिए सभी औपचारिकताएं पूरी करने का तरीका ऐसे अजमाती जैसे सब सच जान लिया है, परंतु पुलिस के सच अदालतों में अक्सर ही खुल जाते हैं। ऊपरी पहुँच वाले अपराधी अपनी मुसीबत टालने के लिए पुलिस का सहारा लेते हैं, जिस पुलिस ने अपराधियों को सजा दिलवानी होती है वही पुलिस अपराधियों का बचाव करने के लिए बहुत बार पीड़ित पक्ष के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार करती है। निःसंदेह सख़्त से सख़्त कानून बन गए हैं लेकिन पुलिस के काम करने के तरीकों में अभी भी सुधार नहीं हो सका है। अपराध का संबंध अपराधियों की मानसिकता के साथ होता है जिसे रोकना सामाजिक बदलावों की दरकार है परन्तु वर्तमान दौर में अपराधियों को दोष मुक्त साबित करवाना और पीड़ित की जुबान बंद करना कबीलाईयुग का प्रमाण है। समाज को वहशियत से आजादी सिर्फ कानूनों से नहीं बल्कि व्यवस्था में समानता, सच्चाई और इंसानियत के संस्कार भरे जाने से ही मिल सकती है। बड़े अपराधी आजाद घूमते हैं और बेकसूरों को व्यवस्था की विडंबना की तपिश सहनी पड़ती है। हाथरस का मामला महिलाओं पर अत्याचार के साथ-साथ पुलिस की ओर से अपराधियों पर मेहरबानी का एक और काला अध्याय बन गया है।

उकसावे की हद

संजय शर्मा

पाकिस्तान की यह आम फितरत रही है कि जब वह आंतरिक मोर्चे पर किसी मुश्किल में घिरता है तो उसकी सबसे पहली हरकत भारतीय सीमा के पार कोई अवांछित कार्रवाई होती है, ताकि दुनिया का ध्यान भटकाया जा सके।

गुरुवार को एक बार फिर पाकिस्तान की तरफ से संघर्ष-विराम की स्थिति का उल्लंघन किया गया और नियंत्रण रेखा के पास गोलीबारी की गई। अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे सेना के पोस्ट पर अचानक ही मोर्टार दाग कर उन्हें निशाना बनाया गया। नतीजतन, सेना के एक लांसनायक सहित तीन जवान शहीद हो गए, जबकि पांच जवान घायल हुए। हालांकि इसके बाद भारतीय सेना ने इसका मुंहतोड़ जवाब दिया। विडंबना यह है कि एक ओर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान क्षेत्र में अपनी मदद के लिए गुहार लगाता है, दूसरी ओर बिना किसी वजह के अचानक ही संघर्ष-विराम का उल्लंघन करने में भी उसे कोई हिचक नहीं होती। उसे शायद इस बात का खयाल तक नहीं होता कि अगर भारत अपनी गरिमा के मुताबिक संयम और धीरज नहीं दिखाए तो उसकी ऐसी हरकतों की वजह से युद्ध की स्थिति पैदा हो सकती है और उसके बाद पाकिस्तान को बेहद बुरे हालात का सामना करना पड़ सकता है। सवाल है कि आखिर वह किसे धोखा देने की कोशिश करता रहता है! गौरतलब है कि सन 2003 में भारत और पाकिस्तान के बीच नियंत्रण रेखा पर युद्ध विराम का समझौता हुआ था।

लेकिन इस मसले पर अब तक के इतिहास को देखते हुए ऐसा लगता है कि इस समझौते को बनाए रखने की जिम्मेदारी अकेले भारत ने उठा रखी है। यह किसी छिपा नहीं है कि बिना किसी संदर्भ के भी पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर का सवाल उठा कर वैश्विक समुदाय के सामने घड़ियाली आंसू बहाना शुरू कर देता है। लेकिन इस पर्दे में वह सीमा क्षेत्र में क्या करता है, इस पर दुनिया की नजर नहीं जा पाती। एक खबर के मुताबिक सिर्फ पिछले आठ महीनों में पाकिस्तान की ओर से तीन हजार से अधिक बार युद्धविराम का उल्लंघन किया गया है, जो पिछले सत्रह सालों में सबसे ज्यादा है।

कल्पना की जा सकती है कि अगर भारत ने पाकिस्तान की ऐसी गैरजिम्मेदाराना हरकतों के बरक्स दुनिया में शांति की वकालत करने और उसे निबाहने वाले एक जिम्मेदार देश की अपनी भूमिका नहीं बनाए रखता तो कैसे हालात पैदा हो सकते थे। हालांकि अपनी सीमा की रक्षा करना और संप्रभुता की गरिमा बचाना एक अनिवार्य स्थिति है, इसलिए भारत ने हर मौके पर पाकिस्तान को करारा जवाब दिया और उसे उसकी हद बताई। विडंबना है कि यह सब करते हुए पाकिस्तान को यह भी ध्यान रखने की जरूरत नहीं महसूस होती कि संघर्ष-विराम की सहमति की कुछ शर्तें होती हैं और उसकी कद्र करना दोनों पक्षों की जिम्मेदारी होती है। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान जब भी किसी अंतरराष्ट्रीय दबाव से गुजरता है तब शांति और युद्ध-विराम की स्थिति बनाए रखने पर तो सहमत हो जाता है, लेकिन फिर जब अपनी सीमा या कब्जे वाले क्षेत्र के भीतर किसी उथल-पुथल या चुनौती का सामना करने लगता है, तब उसे किसी समझौते का खयाल रखना जरूरी नहीं लगता।

यह किसी से छिपा नहीं है कि फिलहाल पाकिस्तान अपने कब्जे वाले क्षेत्र में गिलगित-बाल्टिस्तान को पांचवें प्रांत का दर्जा देने से संबंधित किस गंभीर मुश्किल से गुजर रहा है। हालत यह है कि गिलगित-बाल्टिस्तान से भारत के पक्ष में उठती आवाजों को रोक पाना उसके लिए एक चुनौती बनती जा रही है। इसलिए पाकिस्तान अगर भारतीय क्षेत्र में संघर्ष-विराम का उल्लंघन करके लोगों का ध्यान बंटाने की कोशिश कर रहा है तो इसके निहितार्थ समझे जा सकते हैं। लेकिन उसे यह याद रखने की जरूरत है कि भारत एक सीमा के बाद चुप नहीं बैठ सकता।

छोटे और मझोले बिजनेस के लिए बड़ा अवसर

सुरेश देसाई

कोविड-19 महामारी के कारण हमारा समाज और समय दो हिस्सों में बंट गया है। एक कोविड-19 से पहले का और दूसरा कोविड-19 के बाद का। इस महामारी का असर पूरी दुनिया पर पड़ा है और हर व्यक्ति इससे किसी न किसी रूप में प्रभावित हुआ है। हमारी जिंदगी, हमारा रहन-सहन, दूसरों से बात करने और खाने-पीने का तरीका- सब कुछ पूरी तरह बदल चुका है। बिजनेस पर भी कोरोना वायरस की मार पड़ी है। जो बिजनेस अब तक सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं, वे हैं छोटे और मझोले बिजनेस (एसएमबी)। भारत में लगभग 6-7 करोड़ एसएमबी हैं और एक आकलन के अनुसार इनमें से 1 करोड़ छोटे और नेबरहुड (पास-पडोस के) स्टोर्स हैं। पूरे देश में फैले ये नेबरहुड स्टोर्स भारतीय रिटेल के परिदृश्य का एक सर्वव्यापी हिस्सा हैं।ऑनलाइन पर जोर

क्या कोविड-19 महामारी इन रिटेल दुकानों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाएगी? इनके अस्तित्व पर मंडरा रहे इस तरह के सभी सवालों के लिए एक ही जवाब है 'इट डिपेंड्स' (कई बातों पर निर्भर करता है)। लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि इससे ग्राहकों और दुकानदारों के बीच बातचीत का अंदाज बदल जाएगा। कोविड-19 महामारी के कारण दुकान में जाने वाले ग्राहकों की संख्या बहुत कम हो गई है। इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि महामारी खत्म होने के बाद भी ज्यादा से ज्यादा ग्राहक ऑनलाइन ही रहेंगे। यहां नेबरहुड स्टोर्स के मालिकों के लिए अपनी अप्रोच मजबूत करने और अपने स्ट्रॉन्ग पॉइंट्स जैसे भौतिक मौजूदगी तथा उपभोक्ता से नजदीकी को सही टेक्नॉलजी के साथ जोड़ने का अवसर है, ताकि वैल्यूचेन को आगे बढ़ाया जा सके। मैं यहां उन तीन बड़े बदलावों का जिक्र करना चाहूंगा, जिन्हें अपनाने की जरूरत छोटे स्टोर मालिकों को इसलिए होगी ताकि वे इस अवसर का लाभ उठा सकें और सफलता प्राप्त कर सकें। स्टोर मालिकों और उद्यमियों को सबसे पहले केवल अपनी दुकान पर आने वाले ग्राहकों के बजाय अपने पिन-कोड के दायरे में आने वाले या पांच किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोगों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इससे उनके लक्षित बाजार का विस्तार होगा। रिटेलर्स को बदलाव की प्रतीक्षा करने के बजाय इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए, इसके अनुकूल बनना चाहिए और इसमें भाग लेना चाहिए। यह बदलाव है अवसर का विस्तार करने और अपने स्टोर को एक ऐसे केंद्र के रूप में स्थापित करने का, जहां फिजिकल और इलेक्ट्रॉनिक रिटेलिंग सहजता से होती हो। हालांकि यह बदलाव सबसे कठिन है। बाकी के दो बदलाव इसकी तुलना में थोड़े आसान हैं। दूसरा बदलाव है कामकाज के तरीके (ऑपरेशंस) में परिवर्तन करना और बेसिक टेक्नॉलजी का उपयोग करना। जैसे ग्राहकों को स्टोर के उत्पाद और माल दिखाना, उन्हें इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल पेमेंट समाधानों का विकल्प देना और भौतिक बुनियादी ढांचे में छोटे-छोटे सुधार करना। इसके अलावा, फिजिकल स्टोर्स को या तो ई-कॉमर्स मार्केट प्लेसेज, सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स का हिस्सा बनना होगा या ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के लिए अपने ग्राहकों को दिखाए जाने वाले ऑफर्स बनाने के लिए खुद के समाधान विकसित करने होंगे। कई रिटेलर्स फोन ऑर्डर्स या मैसेजिंग सर्विस से शुरुआत करते हैं, लेकिन ये चैनल सीमित पैमाने के हैं। रिटेलर्स अपने ग्राहकों को जानते हैं, लेकिन यह जानकारी वे अपने दिमाग में ही रखते हैं या ऐसे डेटाबेसेज में, जो या तो सही नहीं हैं या जिनमें सारे लोग नहीं आते हैं। लगभग सभी स्टोर्स के पास अपने सामान्य उत्पादों का पूरा कैटलॉग नहीं है और स्टोर के अंदर मौजूद उत्पादों की गणना भी सटीक नहीं है। मौजूदा उत्पादों के नहीं दिखने के कारण या तो उनकी बिक्री नहीं होती है या ऑर्डर के बाद डिफेक्ट दिखने पर निराशा हाथ लगती है। अधिकांश रिटेलर यूपीआई या डिजिटल वॉलेट्स से अपनी पेमेंट प्रॉसेस को डिजिटाइज्ड कर चुके हैं, लेकिन उन्हें नगदी पसंद है, क्योंकि उसका ध्यान रखना और हिसाब चुकाना आसान होता है। इनमें से कई टूल्स रिटेलर्स द्वारा उपयोग किए जाने वाले पॉइंट-ऑफ-सेल्स सिस्टम्स के हिस्से के तौर पर उपलब्ध हैं। भौतिक बुनियादी ढ़ांचे में बदलाव छोटे हैं। सामान्य रूप से इसमें पैकिंग के लिए एक छोटा एरिया होना चाहिए और ग्राहक का ऑर्डर रवाना करने की तैयारी के लिए एक जगह। हालांकि यदि ज्यादा सोच-समझकर बदलाव किया जाए तो ये स्टोर्स ऑफलाइन से ऑनलाइन जाने में समर्थ हो सकते हैं, जहां ग्राहक ई-कॉमर्स मार्केट प्लेस से ऑर्डर पिक कर सकते हैं और उन्हें वापस कर सकते हैं या ऑनलाइन खरीदे जाने वाली चीजों को छूकर महसूस कर सकते हैं। अंत में, वर्चुअल ग्राहकों के प्रबंधन के लिए व्यवहारकुशलता और मूलभूत टेक्नॉलजी को चलाने की क्षमता इन स्टोर्स को अपना पैमाना ऊंचा करने के लिए तैयार करेगी। स्टोर्स को ग्राहक की सवालों का जवाब देना होगा, बुनियादी सवालों को हैंडल करना होगा और ग्राहक के साथ फोन या ईमेल पर बात करनी होगी। स्कैनिंग करना और मार्केट प्लेस पर माल की फाइलों को अपलोड करना भी उनके जरूरी काम का हिस्सा होगा। इसके लिए खुद की या स्टोर स्टाफ (एक स्टोर में अमूमन एक या दो) की री-स्किलिंग करनी होगी। आधुनिक रिटेल के लिए सप्लाई चेन में काफी हलचल हुई है और अब यह नए सिरे से सामने आई है। ऐसे में स्थानीय दुकानों और नेबरहुड स्टोर्स को अपने ग्राहकों को नजदीकी से जानने का लाभ मिलेगा। उनके पास बेहतर अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए सामानों की बेहतरीन रेंज है और मिनटों में डिलीवर करने की क्षमता है।

छोटे दुकानदारों की बारी बड़े कॉरपोरेट्स के पास अपने बिजनेस और कामकाज को तेजी से ऑनलाइन बनाने के लिए हार्ड और सॉफ्ट इंफ्रास्ट्रक्चर मौजूद रहा है। यह ध्यान रखना जरूरी है कि छोटे और मझोले व्यवसायों, स्कूलों और कॉलेजों तथा सरकारी संस्थानों ने भी जैसे-तैसे टेक्नॉलजी को अपनाया है और नई वास्तविकता के अनुसार खुद को ढ़ाला है।

श्रम-रोजगार : कोरोनाकाल में अगस्त तक 2.1 करोड़ वेतनभोगी हुए बेरोजगार

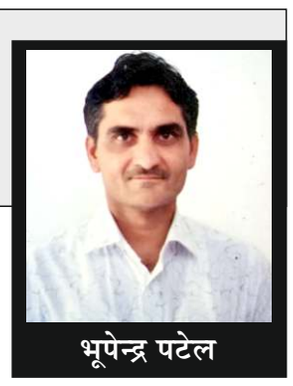

भूपेन्द्र पटेल

भारत में लॉकडाउन के दौरान वेतनभोगी कर्मचारियों के रोजगार पर मार पडऩे का सिलसिला जारी है। इन पांच महीनों में रोजगार गंवाने वालों में सबसे बड़ी संख्या वेतनभोगी कर्मचारियों की है। दूसरे तरह के रोजगार कमोबेश शुरुआती झटकों से उबरने में सफल रहे हैं और कुछ श्रेणियों के रोजगार में तो बढ़ोतरी भी हुई है लेकिन रोजगार गंवाने वाले वेतनभोगी कर्मचारियों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। आर्थिक वृद्धि के साथ या उद्यमिता में वृद्धि की स्थिति में भी वेतनभोगी रोजगार हमेशा नहीं बढ़ता है। लेकिन मौजूदा आर्थिक विपदा में सबसे ज्यादा मार इस पर ही पड़ रही है।

एक रोजगार को सामान्यतः वेतनभोगी तब माना जाता है जब किसी व्यक्ति को एक संगठन नियमित आधार पर काम पर नियुक्त करता है और नियमित अवधि पर उसे वेतन देता है। भारत में यह अंतराल एक महीने का होता है। यह नियोक्ता सरकार हो सकती है या किसी भी आकार का निजी क्षेत्र का उद्यम या फिर गैर-सरकारी संगठन। वैसे भारत के लोग सबसे ज्यादा सरकारी नौकरियों को पसंद करते हैं। ये सभी मोटे तौर पर औपचारिक क्षेत्र की वेतनभोगी नौकरियां हैं। हालांकि वेतनभोगी रोजगार का दायरा इसके आगे भी है। घरों में काम करने वालों को भी मासिक वेतन दिया जाता है। लिहाजा घरेलू नौकर, रसोइया, ड्राइवर, माली और चौकीदार भी वेतनभोगी कर्मचारी की श्रेणी में आएंगे, बशर्ते उन्हें तय समय पर तय वेतन दिया जाता हो। लेकिन इस तरह के रोजगार अमूमन अनौपचारिक क्षेत्र में आते हैं। सभी तरह के वेतनभोगी रोजगार की संख्या भारत के कुल रोजगार का 21-22 फीसदी है। वेतन पाने वालों से अधिक संख्या किसानों की है और उनसे भी कहीं अधिक दिहाड़ी मजदूर हैं। अगर किसानों एवं दिहाड़ी मजदूरों को एक साथ जोड़ दें तो वे भारत की कुल कामकाजी जनसंख्या का करीब दो-तिहाई हो जाते हैं।

कामकाजी आबादी की यह संरचना सबसे तेजी से बढ़ रही प्रमुख अर्थव्यवस्था कहे जाने वाले देश के लिए बहुत मुनासिब नहीं है। भारत की तीव्र वृद्धि के बावजूद वेतनभोगी रोजगार का अनुपात धीमी गति से बढ़ रहा है। वर्ष 2016-17 में 21.2 फीसदी पर रहा अनुपात 2017-18 में 21.6 फीसदी हो गया और उसके अगले साल यह 21.9 फीसदी दर्ज किया गया। इस अवधि में वास्तविक सकल मूल्य संवर्द्धन (जीवीए) सालाना 6-8 फीसदी की दर से बढ़ा। फिर 2019-20 में अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 4 फीसदी पर आने के बीच वेतनभोगी कर्मियों का अनुपात गिरकर 21.3 फीसदी रह गया।

पिछले वर्षों में भारत की समुचित आर्थिक वृद्धि के बावजूद वेतनभोगी नौकरियों में आया यह ठहराव अकेली नाकामी नहीं है। यह भी अटपटा ही है कि उद्यमशीलता में तीव्र वृद्धि होने के बावजूद वेतनभोगी नौकरियां उस अनुपात में नहीं बढ़ी हैं। वर्ष 2016-17 में उद्यम में मिलने वाला रोजगार कुल रोजगार का 13 फीसदी था। वर्ष 2017-18 में यह अनुपात बढ़कर 15 फीसदी हो गया और अगले दो वर्षों में यह क्रमशः 17 फीसदी और 19 फीसदी रहा है। उद्यमियों की संख्या में वृद्धि के अनुपात में वेतनभोगी रोजगार नहीं बढ़ा है। वर्ष 2016-17 में उद्यमियों की संख्या 5.4 करोड़ थी जो 2019-20 में बढ़कर 7.8 करोड़ हो गई। लेकिन इस दौरान वेतनभोगी कर्मचारियों की संख्या 8.6 करोड़ पर ही स्थिर बनी रही। उद्यमियों की संख्या बढऩे के बावजूद वेतनभोगी नौकरियों की संख्या में वृद्धि न होना सहज ज्ञान के उलट है। ऐसा होने की एक वजह यह है कि इनमें से अधिकतर उद्यमी स्वरोजगार में लगे हैं और वे किसी दूसरे को काम पर नहीं रख रहे हैं। इसका सीधा मतलब यह है कि वे बहुत छोटे स्तर के उद्यमी हैं। सरकार ने तो यह संकल्पना रखी है कि लोगों को रोजगार मांगने के बजाय रोजगार देने वाला बनना चाहिए। यह मकसद पूरी तरह हासिल होता हुआ नहीं नजर आ रहा है। उद्यमिता रोजगार सृजन का तरीका होने के बजाय अक्सर बेरोजगारी के चंगुल से बचने की एक सायास कोशिश होती है। भारत 2016-17 के बाद से जिस तरह की उद्यमशीलता का उभार देख रहा है, वह वेतनभोगी रोजगार पैदा करने वाली नहीं दिख रही है।

महामारी पर काबू पाने के लिए देश भर में लगाए गए लॉकडाउन के दौरान बेरोजगार हुए लोगों के लिए कृषि अंतिम शरणस्थली रही है। अगस्त 2020 तक कृषि क्षेत्र में रोजगार 1.4 करोड़ बढ़ गया। वर्ष 2019-20 में कृषि क्षेत्र में 11.1 करोड़ लोग लगे हुए थे। लॉकडाउन में उद्यमी के तौर पर रोजगार भी शुरू में घटा था लेकिन अगस्त आने तक यह संख्या करीब 70 लाख बढ़ गई। इसके पहले 7.8 करोड़ लोग उद्यमशील गतिविधियों में संलिप्त थे।

लॉकडाउन का ज्यादा नुकसान तो वेतनभोगी कर्मियों एवं दिहाड़ी मजदूरों को उठाना पड़ा। दिहाड़ी मजदूरी सबसे ज्यादा अप्रैल में प्रभावित हुई थी। उस महीने बेरोजगार हुए 12.1 करोड़ लोगों में से 9.1 करोड़ दिहाड़ी मजदूर ही थे। लेकिन अगस्त तक दिहाड़ी मजदूरों की हालत काफी हद तक सुधर गई। वर्ष 2019-20 के 12.8 करोड़ दिहाड़ी रोजगार के बरक्स अब केवल 1.1 करोड़ दिहाड़ी रोजगार का ही नुकसान रह गया है। वहीं अगस्त आने तक सर्वाधिक असर वेतनभोगी रोजगार पर पड़ा है। अप्रैल में बेरोजगार हुए कुल 12.1 करोड़ लोगों में से वेतनभोगी तबका सबसे कम था। लेकिन अगस्त में वेतनभोगी नौकरियों में आई गिरावट कृषि एवं उद्यमी रोजगार में सुधरी स्थिति पर भारी पड़ी है।

अगस्त के अंत तक करीब 2.1 करोड़ वेतनभोगी कर्मचारी नौकरी गंवा चुके हैं। वर्ष 2019-20 में वेतनभोगी रोजगार की संख्या 8.6 करोड़ थी लेकिन अगस्त 2020 में यह संख्या 6.5 करोड़ ही रह गई है। नौकरियों में आई 2.1 करोड़ की गिरावट सभी तरह के रोजगारों में आई सबसे बड़ी गिरावट है। जुलाई में करीब 48 लाख वेतनभोगी बेरोजगार हुए थे और अगस्त में 33 लाख अन्य लोगों की नौकरियां चली गईं। ऐसा नहीं है कि नौकरियां गंवाने वालों में केवल सहयोगी स्टाफ के लोग ही शामिल हैं। चोट काफी गहरी है और इसकी चपेट में औद्योगिक कामगारों के साथ-साथ दफ्तरों में बैठने वाले भी शामिल हैं।

कोरोना पॉजिटिव होने पर शुगर पेशंट्स को ज्यादा खतरा, जानें क्या है वजह?

कोरोना पॉजिटिव होने पर इम्युनिटी पावर में कमी और कुछ दवाओं को रोके जाने के कारण शुगर पेशंट्स में खतरा ज्यादा बढ़ जाता है। यह बात शुक्रवार को विशेषज्ञ चिकित्सकों ने कही। दिल्ली सरकार द्वारा उच्च न्यायालय में सौंपे गए सेरोलॉजिकल निगरानी रिपोर्ट के मुताबिक यह बताया गया कि मधुमेह रोगियों में संक्रमण के कारण खतरा ज्यादा होता है। फोर्टिस अस्पताल वसंत कुंज में एंडोक्रायनोलॉजी के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. विमल गुप्ता ने कहा कि कोरोना वायरस फेफड़े को संक्रमित करने के अलावा अग्नाशय को भी प्रभावित करता है। उन्होंने कहा, ''देखा गया है कि इसके कारण कुछ रोगियों में अग्नाशयशोथ हो जाता है। अग्नाशय इंसुलिन स्रवित करता है, जो ग्लूकोज के स्तर को नियमित करने में सहायक होता है, लेकिन वायरस स्रवण में कमी लाता है जिससे रोगियों में शर्करा का स्तर बढ़ जाता है। कई रोगी संक्रमित होने के बाद पहली बार मधुमेह का शिकार होते हैं।'' गुप्ता ने कहा कि भारत में अधिकतर मधुमेह रोगियों में मोटापा एवं अन्य बीमारियां होती हैं। उन्होंने कहा, ''अगर किसी को कोरोना वायरस हुआ है तो उसे एसजीएलटी2 निरोधी एवं अन्य दवाएं नहीं दी जाती हैं जो वजन को कम करती हैं और शर्करा के स्तर को नियमित करती हैं। जब हम ये दवाएं बंद करते हैं तो मधुमेह का स्तर बढ़ जाता है।'' सोडियम ग्लूकोज को-ट्रांसपोर्टर-2 (एसजीएलटी2) दवा का इस्तेमाल टाइप टू डायबिटीज में किया जाता है। राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के निदेशक डॉ. बी.एल. शेरवाल ने कहा कि कोविड-19 जैसी बीमारियों में तनाव के कारण शर्करा का स्तर बढ़ने की संभावना होती है। उन्होंने कहा,

''जिन रोगियों की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, वायरस के कारण उनको खतरा ज्यादा होता है। इस तरह के रोगियों में मृत्यु दर अधिक होगी क्योंकि उनकी प्रतिरोधक क्षमता कम होती है और अधिक देखभाल करने की जरूरत होती है।'' डॉ. देशवाल ने कहा, ''इस तरह के रोगियों के इलाज में अतिरिक्त प्रयास करना होता है। अगर हम मरने वाले रोगियों के आंकड़े देखें तो उनमें से अधिकतर में अनियंत्रित मधुमेह की शिकायत थी।''

लंबी दूरी की ट्रेनों से आए यात्रियों में 269 कोरोना संक्रमित

ठाणे, पिछले एक महीने में लंबी दूरी की ट्रेनों से सफर कर ठाणे पहुंचे 269 लोग कोरोना से संक्रमित पाए गए हैं। ठाणे मनपा की तरफ से स्टेशन परिसर में कैंप लगाए गए हैं। यहां लोगों का ऐंटिजन टेस्ट किया जाता है। एक महीने में 24 हजार 407 लोगों का टेस्ट किया गया।

शहर में बढ़ते संक्रमण को देखते हुए मनपा आयुक्त डॉ. विपिन शर्मा की पहल पर बाहर से आने वाले यात्रियों के टेस्ट की शुरुआत 30 अगस्त से की गई थी। मनपा के मुताबिक, रेलवे स्टेशन पर प्रति दिन 800 से 900 लोगों का ऐंटिजन किया जा रहा है। कुछ समय में ही उनकी रिपोर्ट आने पर संक्रमित व्यक्ति तथा उसके संपर्क में रहे लोगों को तुरंत क्वारंटीन किया जाता है। स्टेशन परिसर में सैटिस पुल के ऊपर तथा पुल के नीचे चार टीमें टेस्ट में लगी हैं। इनमें चार डॉक्टर, चार नर्सें तथा आठ वॉर्ड बॉय और दस सहायक शामिल हैं। डॉ. विपिन शर्मा ने इस बारे में बताया कि अनलॉक-4 के बाद अधिक संख्या में लोग लंबी दूरी की ट्रेनों से वापस आने लगे हैं, इसलिए टेस्ट की व्यवस्था की है। ठाणे शहर में रिकवरी रेट 87.2३

शहर में मरीजों की संख्या में दिनोंदिन बढ़ोतरी को देखते हुए मनपा की तरफ से घर-घर जा कर चेकिंग की जा रही है। कंटेनमेंट जोन में भी लोगों की जांच जोरों पर जारी है। शहर में गुरुवार को 416 नए मरीज सामने आए। अब तक मरीजों की संख्या 36,184 है, जिनमें से 32,417 मरीज ठीक हुए हैं।

उद्धव ठाकरे ने सेवाग्राम आश्रम को विश्व धरोहर का दर्जा देने की वकालत की

मुम्बई, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को कहा कि वर्धा जिले के सेवाग्राम आश्रम को विश्व धरोहर स्थल का दर्जा मिलना चाहिए। इसी आश्रम में गांधी स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान ठहरे थे। वह महात्मा गांधी की 151 वीं जयंती पर सेवाग्राम में कुछ विकास कार्यों का डिजिटल उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। ठाकरे ने कहा, '' महात्मा गांधी एक विचार हैं और हम उन्हें स्मरण किये बगैर आगे नहीं बढ़ सकते। गांधी के विचार स्वतंत्रता के बारे में उनके विचार को साकार करने के लिए मार्गदर्शन की शक्ति रखते हैं। '' उन्होंने कहा, ''सेवाग्राम आश्रम को विश्व धरोहर स्थल का दर्जा मिलने की जरूरत है। गांधीजी ने दुनिया को दिखाया कि लड़ाई बिना हथियार के भी जीती जा सकती है। पाबंदियों एवं जागरूकता अभियान के लिए संसाधन नहीं होने के बाद भी केवल महात्मा गांधी ही स्वतंत्रता संघर्ष को जनांदोलन में बदल पाये।'' उन्होंने कहा कि सेवाग्राम स्वतंत्रता आंदोलन का केंद्र था और इस धरोहर को संजोकर रखना हम सभी का दायित्व है। मुख्यमंत्री ने कहा, '' हमारी पीढ़ी का यह दुर्भाग्य है कि हम बापू का अनुभव (दर्शन) नहीं कर पाये। लेकिन हमें उन लोगों से उन्हें समझने की जरूरत है जिनका उनके साथ जुड़े रहने का अनुभव है।''

कल्याण में पिता ने किया बेटी के साथ बलात्कार का प्रयास

कल्याण, डोंबिवली में एक 9 वर्षीय लड़की का उसके पिता ने बलात्कार करने का प्रयास किया। इस मामले में रामनगर पुलिस ने 32 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया है और उसके खिलाफ पोक्सो ऐक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पीड़ित लड़की डोंबिवली पूर्व में अपनी दादी के साथ रहती है। लड़की की मां को टीबी है और इसलिए मां मायके गई हुई है। गुरुवार दोपहर को लड़की खेलने के लिए अपने पिता के घर गई थी। इसी दौरान पिता ने लड़की के साथ बलात्कार करने की कोशिश की। किसी तरह लड़की अपने पिता के चंगुल से भाग निकली और अपनी दादी के घर पहुंच गई। उसने पूरी घटना दादी को बताई। इसके बाद रामनगर पुलिस में मामला दर्ज कराया गया।

शिवसेना का योगी सरकार पर निशाना- 'राम मंदिर की नींव रखी जा चुकी, लेकिन यूपी में जंगल राज बरकरार'

मुंबई, हाथरस की घटना को लेकर शिवसेना ने शनिवार को योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि अयोध्या में राम मंदिर की आधारशिला रखी जा चुकी है, फिर भी उत्तर प्रदेश में 'जंगल राज' बरकरार है। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ दल ने आरोप लगाया कि हाल ही में उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार की घटनाएं उस राज्य के साथ-साथ केंद्र सरकार की नाकामी को दर्शाती हैं।

पार्टी के मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय में शिवसेना ने कहा,'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर की नींव रखी। लेकिन उत्तर प्रदेश में कोई 'राम राज्य' नहीं है। कानून-व्यवस्था की स्थिति के मामले में यूपी में 'जंगल राज' कायम है।' पार्टी ने कहा,'राज्य में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार हो रहे हैं और युवतियों के बलात्कार और हत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं।' संपादकीय में कहा गया,'हाथरस में 19 वर्षीय एक युवती के साथ बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई, जिससे पूरे देश में आक्रोश फैला हुआ है। अपने अंतिम बयान में, पीड़िता ने कहा था कि उसके साथ बलात्कार हुआ था। लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार अब कहती है कि उसके साथ बलात्कार नहीं हुआ था। उसके तुरंत बाद, यूपी के बलरामपुर में भी सामूहिक दुष्कर्म की घटनाएं हुई।'

शिवसेना ने पूछा,'लेकिन इस सब के बावजूद, न तो दिल्ली में बैठे शासकों और न ही योगी आदित्यनाथ सरकार ने कुछ किया। सरकार खुद कहती है कि जब कोई बलात्कार नहीं हुबा था, तो विपक्ष चिल्ला क्यों रहा है। लेकिन अगर महिला का बलात्कार नहीं हुआ था, तो रात में पुलिस ने उसका अंतिम संस्कार क्यों किया?'

पार्टी ने कहा, 'इससे पहले, जब अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली सरकार ने योगी आदित्यनाथ के सुरक्षा कवच को वापस ले लिया था, तब संसद में उन्होंने इसका रोना रोया था। अब वह खुद मुख्यमंत्री हैं, लेकिन उनके राज्य में महिलाएँ सुरक्षित नहीं हैं।' सामना में कहा गया कि यूपी पुलिस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को हाथरस में पीड़ित परिवार से मिलने से रोक दिया। उन्होंने कहा, 'गांधी को कॉलर पकड़कर जमीन पर गिरा दिया गया। एक प्रमुख राजनीतिक दल के नेता का इस तरह से अपमान करना लोकतंत्र का सामूहिक बलात्कार है।' शिवसेना ने कहा कि देश पहले इतना 'बेजान और असहाय' कभी नहीं था।

राम मंदिर की नींव रखी जा चुकी, लेकिन उत्तर प्रदेश में जंगल राज बरकरारः शिवसेना

मुंबई, हाथरस की घटना को लेकर शिवसेना ने शनिवार को योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि अयोध्या में राम मंदिर की आधारशिला रखी जा चुकी है, फिर भी उत्तर प्रदेश में 'जंगल राज' बरकरार है। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ दल ने आरोप लगाया कि हाल ही में उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार की घटनाएं उस राज्य के साथ-साथ केंद्र सरकार की नाकामी को दर्शाती हैं। पार्टी के मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय में शिवसेना ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर की नींव रखी। लेकिन उत्तर प्रदेश में कोई 'राम राज्य' नहीं है। कानून-व्यवस्था की स्थिति के मामले में यूपी में 'जंगल राज' कायम है।'' पार्टी ने कहा, ''राज्य में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार हो रहे हैं और युवतियों के बलात्कार और हत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं।'' संपादकीय में कहा गया, ''हाथरस में 19 वर्षीय एक युवती के साथ बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई, जिससे पूरे देश में आक्रोश फैला हुआ है। अपने अंतिम बयान में, पीड़िता ने कहा था कि उसके साथ बलात्कार हुआ था। लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार अब कहती है कि उसके साथ बलात्कार नहीं हुआ था। उसके तुरंत बाद, यूपी के बलरामपुर में भी सामूहिक दुष्कर्म की घटनाएं हुई।'' शिवसेना ने पूछा, ''लेकिन इस सब के बावजूद, न तो दिल्ली में बैठे शासकों और न ही योगी आदित्यनाथ सरकार ने कुछ किया। सरकार खुद कहती है कि जब कोई बलात्कार नहीं हुबा था, तो विपक्ष चिल्ला क्यों रहा है। लेकिन अगर महिला का बलात्कार नहीं हुआ था, तो रात में पुलिस ने उसका अंतिम संस्कार क्यों किया?''

पार्टी ने कहा, 'इससे पहले, जब अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली सरकार ने योगी आदित्यनाथ के सुरक्षा कवच को वापस ले लिया था, तब संसद में उन्होंने इसका रोना रोया था। अब वह खुद मुख्यमंत्री हैं, लेकिन उनके राज्य में महिलाएँ सुरक्षित नहीं हैं।' सामना में कहा गया कि यूपी पुलिस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को हाथरस में पीड़ित परिवार से मिलने से रोक दिया। उन्होंने कहा, 'गांधी को कॉलर पकड़कर जमीन पर गिरा दिया गया। एक प्रमुख राजनीतिक दल के नेता का इस तरह से अपमान करना लोकतंत्र का सामूहिक बलात्कार है।' शिवसेना ने कहा कि देश पहले इतना 'बेजान और असहाय' कभी नहीं था।

केडीएमसी की सड़कों पर मौत के गड्ढे, एक दिन में हुए चार हादसे

मुंबई से सटे कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका में इन दिनों लोग कोरोना महामारी से कम और सड़कों पर हुए गड्ढों से ज्यादा डर रहे हैं। इन गड्ढों की वजह से आए दिन लोग चोटिल हो रहे हैं लेकिन मनपा के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही है। आलम यह है कि केडीएमसी की जनता को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है। इन तस्वीरों को देख कर के आप आसानी से अंदाजा लगा सकते हैं कि वाहन चालकों के लिए ये गड्ढे मौत के गड्ढे साबित हो रहे हैं। 1 दिन में 3 लोग बुरी तरह से इन गड्ढों के शिकार हुए हैं। जबकि एक गाड़ी को काफी नुकसान पहुंचा है। एक अक्टूबर को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ता प्रशांत भी इन गड्ढों के शिकार हुए हैं। प्रशांत अपनी मोटरसाइकिल से निकले थे लेकिन दुर्घटना के शिकार हो गए। जबकि सड़क के गड्ढों का शिकार होने की वजह से एक महिला के सर में काफी चोट लगी है। कल्याण पश्चिम में रहने वाले प्रथमेश वाघमारे कल्याण की सड़क में हुए गड्ढे का शिकार बने हैं। इसी प्रकार कल्याण डोंबिवली मोटर ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के कर्मचारी अवतार सिंह भी ड्यूटी पर जाते समय सड़क पर मौजूद गड्ढों की वजह से बुरी तरह जख्मी हो गए।

मुंबई पुलिस करे हाथरस मामले की जांच, शिवसेना विधायक ने की मांग

उत्तर प्रदेश के हाथरस रेप केस में महाराष्ट्र में सियासत अब गर्म होती चली जा रही है। शिवसेना लगातार एक के बाद एक प्रहार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी पुलिस पर कर रही है। शिवसेना के विधायक प्रताप सरनाईक ने महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख से मांग की है कि उत्तर प्रदेश में हाथरस की इस घटना की जांच मुंबई पुलिस से करवाई जाए और इस जांच के लिए बाकायदा मुंबई में भी एक मामला सीआरपीसी 154 के तहत दर्ज किया जाए। मुंबई पुलिस करे मामले की जांच करे प्रताप सरनाईक ने कहा कि जिस प्रकार से उत्तर प्रदेश की पुलिस ने पीड़िता के शव को एक ही रात में बिना परिवार की मौजूदगी यह जला दिया ऐसे में बहुत सारे सवाल और शक पुलिस की कार्यप्रणाली पर पैदा हो रहे हैं इसलिए महाराष्ट्र में भी एक मुकदमा दर्ज होना चाहिए और मुंबई पुलिस उत्तर प्रदेश में जाकर इस मामले की गहराई से जांच करें इस मांग को लेकर प्रताप सरनाईक ने गृह मंत्री अनिल देशमुख को ट्वीट भी किया है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से सुशांत सिंह राजपूत के मामले में बिहार पुलिस ने बिहार में मामला दर्ज किया था यह मामला भी उसी प्रकार से मुंबई में दर्ज किया जाना चाहिए। भविष्य में अगर यह मामला जांच के लिए सीबीआई को भी सौंपा जाए तो हमें कोई दिक्कत नहीं है। पीड़िता के बयान को झुठलाने का प्रयास राउत ने उत्तर प्रदेश सरकार पर यह आरोप भी लगाया कि वह पीड़िता के डाईंग डिक्लेरेशन को झूठा करार देने में लगे हुए हैं। एक तरफ जब मुंबई में फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह का सुसाइड हुआ जो दुखद है और ऐसा नहीं होना चाहिए था। तब लोग इस आत्महत्या को हत्या साबित करने में लगे हुए थे और आज भी लगे हैं। जिसका कोई सुबूत भी नहीं था। लेकिन उत्तर प्रदेश में जब एक बच्ची ने अपनी मौत के पहले खुद यह बयान दिया कि उसके साथ में गैंगरेप हुआ है तब उसके बाद भी सरकार और प्रशासन मिलकर यह साबित करने में लगे हुए हैं की उस बच्ची के साथ बलात्कार हुआ ही नहीं है। यह बेहद अफसोस और शर्म की बात है। गांधी परिवार ने देश के लिए त्याग किया है संजय राउत ने उत्तर प्रदेश पुलिस में सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि पीड़ित परिवार से मिलने के लिए जब राहुल गांधी और प्रियंका गांधी हाथरस के लिए निकले तो उन्हें रास्ते में ही रोक कर जिस तरह से उनके साथ पुलिस ने बर्ताव किया वह निंदनीय है। राहुल गांधी उस परिवार से आते हैं जिसने इस देश के लिए सबसे ज्यादा कुर्बानियां दी हैं। वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जिन्होंने कोई भी त्याग नहीं किया। वे लोग राहुल गांधी पर इस प्रकार से हमला करते हैं।

योगी और मोदी हिन्दू विरोधी हैं

संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि यह लोग हिंदुओं के नाम पर वोट बैंक की राजनीति करते हैं और चुनाव के वक्त में उनसे वोट भी लेते हैं। लेकिन हाथरस की इस घटना में युवती के परिवार की बातों को सरकार और प्रशासन ने पूरी तरह से अनसुना किया। एक अविवाहित हिंदू युवती के शव को पेट्रोल डालकर जला दिया गया। यह कौन से हिंदू धर्म में लिखा है।

आक्रामक हुआ मराठा समाज, राजस्व मंत्री बाला साहेब थोराट के घर पहुंचा मराठा मोर्चा

मराठा आरक्षण को लेकर मराठा समाज अब आक्रामक भूमिका में आ चुका है। शुक्रवार को मराठा मोर्चा राज्य के राजस्व मंत्री बालासाहब थोराट के घर पहुंचा। तकरीबन एक घंटे तक थोराट के घर पर मराठा समाज ने धरना दिया और जमकर नारेबाजी की। इस मौके पर उनकी बहन दुर्गा तांबे मौजूद थी और वह मराठा मोर्चा में भी शामिल हुई। यह मोर्चा अहमद नगर के संगमनेर तहसील स्थित बालासाहेब थोराट के घर पर हुआ। मराठा आरक्षण में आ रही रुकावटों को दूर करें मराठा समाज और खुद थोराट की बहन ने कहा इस आंदोलन में शामिल होकर सरकार और थोराट से यह मांग की है कि मराठा समाज को आरक्षण दिलाने के रास्ते में जो भी अड़चन आ रही है उसे दूर किया जाए। यही एक भाई की तरफ से बहन को तोहफा भी होगा। मराठा समाज की हालत अब काफी दयनीय हो चुकी है। सरकारी नौकरियों में उन्हें जगह नहीं मिल पाती है और भी कई समस्याओं से समाज इस समय लड़ रहा है ऐसे में आरक्षण अब जरुरी हो गया है।

मुख्यमंत्री के घर पर मोर्चा

मराठा समाज ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को चेतावनी देते हुए कहा कि सीएम 5 अक्टूबर तक मराठा आरक्षण पर अपनी भूमिका स्पष्ट करें वरना 6 अक्टूबर को उनके निवास स्थान मातोश्री के बाहर मराठा समाज का मोर्चा होगा। महाराष्ट्र के कोल्हापुर शहर में गुरुवार को मराठा समाज समन्वय समिति की बैठक हुई जिसमें यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि मराठा आरक्षण पर स्टे के बाद मराठा युवकों का काफी नुकसान हुआ है। इस विषय कुछ भी ठोस और सही ढंग कोई भी नहीं बता रहा है। जिसकी वजह से समाज के युवा भ्रम और अनिश्चितता के दौर से गुजर रहे हैं। इसलिए सीएम खुद मराठा समाज से बात कर स्थिति स्पष्ट करें। आगामी मंगलवार तक इस विषय में मुख्यमंत्री फैसला लें।

एमपीएससी की परीक्षा को आगे बढ़ाएं आबा पाटिल ने यह भी मांग की है कि एमपीएससी की परीक्षा की तारिख को आगे बढ़ाया जाए। मुख्यमंत्री उस मंत्री का भी नाम बताएं जिहोने मराठा आरक्षण पर स्टे होने के बाद भी इस परीक्षा को आयोजित करने का फैसला किया है। उन्होंने यह भी कहा की इस परीक्षा की डेट को तत्काल आगे बढ़ाया जाए वरना परीक्षा केंद्रों पर तोड़फोड़ की जाएगी। 10 अक्टूबर को महाराष्ट्र की घोषणा मराठा समन्वय समिति ने आगामी 10 अक्टूबर को महाराष्ट्र बंद का ऐलान किया है। हालांकि यह बंद शांति पूर्ण होगा और कोई भी इस बंद में हिंसा न करे इसका भी आग्रह मराठा संघर्ष समिति ने किया है। इस बंद के दौरान कई जगहों पर रास्ता रोको किया जायेगा। यदि यह आंदोलन कहीं पर हिंसक हुआ तो इसकी जवाबदार भी महाराष्ट्र सरकार होगी।

केंद्र के कृषि कानून के विरोध में महाराष्ट्र कांग्रेस ने मनाया किसान मजदूर बचाओ दिवस

केंद्र सरकार द्वारा लाए गए कृषि कानून का विरोध शुक्रवार को महाराष्ट्र कांग्रेस ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर पूरे राज्य में किया। कांग्रेस ने किसान मजदूर बचाओ दिन के नाम से राज्य के हर जिले में विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने यह मांग की है सरकार इस कानून को वापस ले क्योंकि यह कानून पूरी तरह से किसान विरोधी है और किसानों की रोजी रोटी छीनने वाला है। कांग्रेस का आरोप है कि भारतीय जनता पार्टी इस कानून के जरिए किसानों को उद्योगपतियों का गुलाम बनाना चाहते हैं और उनकी आजादी खेलना चाहती है। जिला मुख्यालयों पर हुआ कांग्रेस का मोर्चा कांग्रेस के राजस्व मंत्री और महाराष्ट्र के प्रदेश अध्यक्ष बालासाहेब थोरात की अगुवाई में यह आंदोलन राज्य के हर जिले के मुख्यालय पर आयोजित किया गया। जहां किसान मजदूर बचाओ दिवस नाम की रैली में भारी तादात में लोग शामिल हुए। महाराष्ट्र और देश की सबसे बड़ी प्याज मंडी लासलगांव में भी यह आंदोलन किया गया। जहां किसान नेताओं समेत किसानों ने इस आंदोलन में शिरकत की और सरकार विरोधी नारे लगाए। दो करोड़ किसानों का हस्ताक्षर लिया जाएगा कांग्रेस पूरे राज्य में एक हस्ताक्षर अभियान चलाएगी जिसके जरिए दो करोड़ किसानों के हस्ताक्षर लेकर राष्ट्रपति को निवेदन सौंपा जाएगा। देश में मजदूरों और किसानों से संबंधित जो कानून भाजपा सरकार लाई है उसे निरस्त किया जाए। इस मुहिम की शुरुआत महाराष्ट्र के लासलगांव की मंडी से कर दी गई है जिसे अब धीरे-धीरे अलग-अलग जख्मों पर लेकर जाया जाएगा। कांग्रेस नेता बालासाहेब थोरात ने कहा कि कांग्रेस हमेशा किसानों और मजदूरों के साथ थी और रहेगी। महाराष्ट्र सरकार पहले ही यह साफ कर चुकी है कि वह इस कानून को राज्य में लागू नहीं करेंगे। नांदेड़ में अशोक चह्वाण का बैलगाड़ी मोर्चा महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री अशोक चौहान ने उनके चुनाव क्षेत्र नांदेड़ में केंद्र सरकार द्वारा लाए गए कृषि कानून का विरोध किया। उन्होंने अपने समर्थकों के साथ एक बैलगाड़ी पर मार्च निकालकर इस विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने कहा कि कोरोना को देखते हुए लोगों से अब हम ऑनलाइन जुड़ने का प्रयास करेंगे और वर्चुअल सम्मेलन के जरिए सभी किसानों से कांग्रेस संपर्क साधेंगे।

'सीरियस मैन' वैश्विक अपील वाले आम व्यक्ति की कहानी हैः नवाजुद्दीन सिद्दीकी

मुंबई, अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी का कहना है कि उनकी फिल्म ''सीरियस मैन'' में एक भारतीय के जीवन के हर पहलू को दर्शाया गया है। यह एक ऐसी फिल्म है जो देश की जमीनी हकीकत को पेश करते हुए दुनिया भर में दर्शकों की तारीफ पाने की क्षमता रखती है। सुधीर मिश्रा के निर्देशन में बनी यह फिल्म शुक्रवार को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। यह फिल्म लेखक मनु जोसफ के 2010 में आए उपन्यास ''सीरियस मैन'' पर आधारित है। फिल्म में नवाज ने तमिलनाडु के दलित अय्यन मणि की भूमिका निभाई है, जो पीढ़ियों से लोगों पर ज्यादती का कारण बनी व्यवस्था को चुनौती देता है। इस फिल्म के जरिये जातिगत भेदभाव और उच्च वर्ग के विशेषाधिकारों पर प्रकाश डाला गया है। सिद्दीकी (46) ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''यह बेहद आम व्यक्ति की कहानी है, जिसमें हर भारतीय की छवि दिखाई देती है। यह एक वास्तविक किरदार है, जिसमें सभी में पाए जाने वाली विशेषताएं भी हैं। यही वजह है कि इस भूमिका में अपनापन है। हालांकि इस फिल्म की कहानी में छिपी सच्चाई को पचा पाना मुश्किल है।'' सिद्दीकी ने कहा कि यह जरूरी नहीं है कि अपने परिवार की भलाई के लिये व्यवस्था से लड़ने का मणि का तरीका ''आदर्शवादी'' हो, लेकिन उन्हें लगता है कि समाज आदर्शवाद पर चलता ही नहीं है। उन्होंने कहा, ''हम सबकुछ आदर्शों पर खरा देखना चाहते है, यहां तक कि यह माना जाता है कि हमारी फिल्मों में भी आदर्शवाद हो, जिसमें नायक अंत में कुछ महान करे।

स्वाद और गुणों में नॉनवेज की कमी पूरी करते हैं ये शाकाहारी फूड्स

सोनल झालावाड़िया

एक आम राय है कि सिर्फ वेजिटेरियन डायट यानी शाकाहारी भोजन पर निर्भर रहनेवाले लोगों के शरीर को सभी पोषक तत्वों की प्राप्त नहीं हो पाती है। साथ ही वे नॉनवेज खानेवाले लोगों की तुलना में कमजोर होते हैं। जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। यहां जानें, उन फूड्स के बारे में जो पोषक तत्वों और स्वाद के साथ ही आपको पूरी संतुष्टि भी देते हैं...

नॉनवेज का स्वाद और फील देते हैं ये 2 फूड

-आजकल खाने में मौजूद पोषण के साथ ही सबसे पहला फोकस फील पर होता है। यानी किसी भी फूड को खाते समय आपको कैसा अनुभव होता है, आप कैसा महसूस करते हैं।

-अगर आप नॉनवेज फूड का फील लेना चाहते हैं तो आप दो वेज फूड्स के जरिए इस फील को पूरी तरह इंजॉय कर सकते हैं। इन दो फूड्स का नाम है- कटहल, मशरूम।

-ये दोनों सब्जियां खाने में जितनी स्वादिष्ट लगती हैं, पोषण के मामलों में भी उतनी ही गुणों से भरपूर हैं। इन दोनों सब्जियों के गुणों के बारे में जानने के लिए यहां दिए गए लिंक्स पर क्लिक करें... यह है मुख्य अवयव

-शाकाहारी डायट की आलोचना करनेवाले ज्यादातर लोग इस बात का तर्क देते हैं कि इससे शरीर को विटमिन-बी12 नहीं मिल पाता है। जिस कारण नर्वस सिस्टम से जुड़ी बीमारियां और शरीर में खून की कमी जैसी समस्याएं होने लगती हैं।

-इसके साथ ही विटमिन-बी12 आपके शरीर में नई कोशिकाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। यदि शरीर में इसकी कमी होती है तो नई कोशिकाओं का निर्माण बाधित होता है, जिससे शरीर कमजोर होने लगता है।

-आपको बता दें कि वेजिटेरियन डायट में डेयरी प्रॉडक्ट्स विटमिन-बी12 के शानदार सोर्स हैं। ये आपके शरीर में सभी कमियों को दूर करते हुए पोषण प्रदान करते हैं। जिन लोगों को दूध या डेयरी प्रॉडक्ट्स से एलर्जी होती है, वे ड्राई फ्रूट्स के सेवन और कच्ची हरी सब्जियों के सेवन से शरीर में इसकी पूर्ति कर सकते हैं।

जिंक, कैल्शियम और आयरन

-शाकाहारी डायट में जिंक, आयरन, कैल्शियम जैसी कमियों को दूर करने लिए भी पर्याप्त विकल्प उपलब्ध हैं। आप बादाम, अखरोट, साबुत अनाज जैसे काबुली चना, राजमा, साबुत मूंग, लोबिया, हरी पत्तेदार सब्जियों और मौसमी फलों के सेवन से सभी पोषक तत्वों की प्राप्ति कर सकते हैं।

यह भी है खास लाभ

-जो लोग सिर्फ शाकाहारी डायट पर निर्भर रहते हैं, उनका मन मांसाहार लेनेवाले लोगों की तुलना में अधिक शांत होता है। ऐसा अध्यात्म विज्ञान में बताया गया है। इसके साथ ही शाकाहार का सेवन करनेवाले लोग ऐसा ना करनेवाले लोगों की तुलना में अधिक सात्विक और सौम्य प्रवृत्ति के होते हैं। शायद यही कारण है कि सदियों से यह कहावत चली आ रही है- ''जैसा खाओ अन्न, वैसा बने मन''

सलाद खाने से क्या सच में वजन कम होता है? जानें सच

सलाद खाने का जायका बढ़ा देता है। खासतौर पर जब खाने में ज्यादा स्वाद न हो लेकिन क्या आप जानते हैं कि खाने के साथ सलाद खाना सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। आइए, जानते हैं सलाद खाने से जुड़ी दिलचस्प बातें-

खाने के साथ नहीं, इस टाइम खाएं सलाद

आप जब खाने के साथ सलाद खाते हैं, तो आपको पूरा पोषण नहीं मिल पाता। ऐसे में जब आपको भूख लगी हो या आपने जो भी अपने लंच और डिनर का समय तय कर रखा है, उससे कम से कम आधा घंटा पहले सलाद खा लें। इसके बाद लंच या डिनर लें। इससे आपके शरीर को पूरा पोषण मिलने के साथ ओवर इटिंग से छुटकारा भी मिलेगा। इस तरह सलाद खाने से वजन होगा कंट्रोल

सलाद अगर सही तरीके से खाया जाए, तो इससे वेट को कंट्रोल रखने में मदद मिलती है। यह हमारे पाचनतंत्र को सही रखने के साथ पेट साफ करने मे भी मदद करता है। यह शरीर में एक्सट्रा फैट जमा होने से रोकता है और हमें ओवर ईटिंग से भी बचाकर वजन नियंत्रित रखता है।

खाने के साथ क्यों नहीं खाना चाहिए सलाद

सलाद तापमान में ठंडी होता है और भोजन तापमान में गर्म होता है। जब कच्चा और पका हुआ भोजन एक साथ खाया जाता है, तो इससे हमारे पाचनतंत्र पर अधिक दबाव पड़ता है क्योंकि इसे पचाने के लिए हमें अतिरिक्त ऊर्जा की जरूरत होती है। साथ ही ऐसा भोजन डायजेस्ट करने में अधिक समय भी लगता है, जिससे कई बार डायजेस्टिव सिस्टम गड़बड़ा जाता है।

कब्ज से छुटकारा चाहिए तो घी के साथ करें गर्म पानी का सेवन

जब आपका पेट फूल जाता है, तो कब्ज की स्थिति पैदा होती है। ऐसे में आपकी इंस्टेंट रेमेडी क्या होनी चाहिए? अगर आप घरेलू नुस्खों में यकीन रखते हैं, तो आज हम आपके लिए एक ऐसा अचूक आयुर्वेदिक नुस्खा लाए हैं, जो कुछ ही समय में आपकी कब्ज की समस्या को हल कर देगा। पेश है कब्ज के लिए घरेलू उपाय : एक चम्मच घी के साथ गर्म पानी पीना।

इस बात को लेकर सिर्फ हम ही निश्चित नहीं है, बल्कि आयुर्वेद की स्वर्ण पुस्तक इसे कब्ज के लिए एक 'रामबाण' इलाज मानती है! यहां जाने घी के साथ गर्म पानी का सेवन कब्ज के लिए नंबर वन उपाय क्यों है?

आइए इस पर ध्यान दें: घी को कई बार गलत माना गया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हम इसके लाभों को प्राप्त करने के लिए इसका इस्तेमाल करने का उचित तरीका नहीं जानते हैं। घी बायट्रिक एसिड का एक समृद्ध स्रोत है, कई वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार और पोलिश पत्रिका प्रेज़ग्लाड गैस्ट्रोएंटेरोलोगिकज़नी (गैस्ट्रोएंटरोलॉजी रिव्यू) में प्रकाशित एक अध्ययन द्वारा बताया गया है कि इसके सेवन से कब्ज में जल्द ही राहत मिलती है। अध्ययन में यह भी कहा गया है कि बायट्रिक एसिड का सेवन इंटेस्टाइन के चयापचय में सुधार करता है और मल को बाहर निकलने में मदद करता है। साथ ही, यह पेट दर्द, सूजन और कब्ज के अन्य लक्षणों को कम करता है।

बताने की कोई जरूरत नहीं है कि घी सभी लैग्जेटिवो में सबसे बेस्ट लैग्जेटिव है।

कब्ज से छुटकारा चाहिए तो घी के साथ करें गर्म पानी का सेवन

जब आपका पेट फूल जाता है, तो कब्ज की स्थिति पैदा होती है। ऐसे में आपकी इंस्टेंट रेमेडी क्या होनी चाहिए? अगर आप घरेलू नुस्खों में यकीन रखते हैं, तो आज हम आपके लिए एक ऐसा अचूक आयुर्वेदिक नुस्खा लाए हैं, जो कुछ ही समय में आपकी कब्ज की समस्या को हल कर देगा।

पेश है कब्ज के लिए घरेलू उपाय : एक चम्मच घी के साथ गर्म पानी पीना।

इस बात को लेकर सिर्फ हम ही निश्चित नहीं है, बल्कि आयुर्वेद की स्वर्ण पुस्तक इसे कब्ज के लिए एक 'रामबाण' इलाज मानती है!

यहां जाने घी के साथ गर्म पानी का सेवन कब्ज के लिए नंबर वन उपाय क्यों है?

आइए इस पर ध्यान दें: घी को कई बार गलत माना गया है।

ऐसा इसलिए है क्योंकि हम इसके लाभों को प्राप्त करने के लिए इसका इस्तेमाल करने का उचित तरीका नहीं जानते हैं। घी बायट्रिक एसिड का एक समृद्ध स्रोत है, कई वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार और पोलिश पत्रिका प्रेज़ग्लाड गैस्ट्रोएंटेरोलोगिकज़नी (गैस्ट्रोएंटरोलॉजी रिव्यू) में प्रकाशित एक अध्ययन द्वारा बताया गया है कि इसके सेवन से कब्ज में जल्द ही राहत मिलती है।

अध्ययन में यह भी कहा गया है कि बायट्रिक एसिड का सेवन इंटेस्टाइन के चयापचय में सुधार करता है और मल को बाहर निकलने में मदद करता है। साथ ही, यह पेट दर्द, सूजन और कब्ज के अन्य लक्षणों को कम करता है।

बताने की कोई जरूरत नहीं है कि घी सभी लैग्जेटिवो में सबसे बेस्ट लैग्जेटिव है। इसके अन्य लाभ यह भी हैं – जैसे हड्डियों की ताकत में वृद्धि, नींद को प्रेरित करना और वजन कम करना और यह बेनिफिट्स अपको खुद ही महसूस होंगे।

आयुर्वेदिक हेल्थ कोच और प्राण हेल्थकेयर सेंटर की संस्थापक डिंपल जांगडा बताती हैं कि घी हमारे शरीर को चिकनाई प्रदान करने में मदद करता है और आंतों के मार्ग को साफ करता है। यह वेस्ट प्रोडक्ट के मूवमेंट में सुधार करता है, जिससे कब्ज का खतरा कम होता है।

आप घी से कैसे कर सकती हैं कब्ज का इलाज?

डॉ.जांगडा का सुझाव है कि रोज सुबह एक चम्मच घी में 200 मिली गर्म पानी मिलाकर पीना चाहिए। सर्वोत्तम परिणामों के लिए, वह इसे खाली पेट पीने की सलाह देती हैं।

'हार्ड कोष्ट के कारण कब्ज होती है, जिससे पाचन क्रिया, आंत और कोलोन, खुरदरा और कठोर हो जाता है। ऐसे में घी जैसे सुपरफूड् के साथ गर्म पानी का सेवन पाचन तंत्र को चिकनाई देकर, हमारे सिस्टम को नरम कर सकता हैं और शरीर से वेस्ट प्रोडक्ट को बाहर निकालने में मदद कर सकता हैं।

घी कब्ज के लिए एक अच्छा और सटीक घरेलू उपचार है। अब तो आप भी जान ही गई होंगी।

कॉर्बेट पार्क में इसी सीजन में अस्तित्व में आएगा नया पर्यटन जोन

उत्तराखंड के कॉर्बेट पार्क में पर्यटकों के लिए जल्द नया जोन अस्तित्व में आएगा। इसे गर्जिया टूरिज्म जोन के नाम से जाना जाएगा और यह जोन इसी सीजन से काम करना शुरू कर देगा। मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत ने गुरुवार को रामनगर स्थित कॉर्बेट पार्क में इसकी घोषणा की। इस मौके पर उन्होंने कॉर्बेट पार्क के धनगड़ी गेट में लगभग एक करोड़ की लागत से बनाए गए आधुनिक इंटर प्रिटेशन सेंटर व नेचर शॉप का उद्घाटन किया। इस नेचर शॉप में उत्तराखंड में बनाए गए उत्पादों की बिक्री की जाएगी। श्री रावत ने कहा कि कॉर्बेट टाइगर रिजर्व (सीटीआर) के लिये यह महत्वपूर्ण उपलब्धि है कि गर्जिया टूरिज्म जोन के नाम से नया पर्यटन जोन अस्तित्व में आ रहा है। उन्होंने कहा कि इसी नवम्बर महीने से इसकी शुरूआत हो जाएगी। सूत्रों ने बताया कि इस जोन में प्रवेश गर्जिया मंदिर के पास से की जाएगी और इसके लिअलग से गेट का निमार्ण किया जा रहा है। इस मौके पर मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि कोरोना की मार से प्रदेश का पर्यटन उद्योग बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। सरकार की प्राथमिकता प्रदेश में पर्यटन उद्योग को पटरी पर लाना है। कॉर्बेट नेशनल पार्क प्रदेश के पर्यटन की प्रमुख रीढ़ है। उन्होंने कहा कि नया जोन कॉर्बेट के पर्यटन को चार चांद लगाएगा। इससे पहले श्री रावत ने हल्द्वानी में 120 करोड़ की लागत से तैयार होने वाली विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। वे गुरुवार को नैनीताल जनपद के एक दिनी दौरे पर आए थे। उन्होंने यहां 120 करोड़ की लागत की विकास योजनाओं का शिलान्यास किया और छह गरीब अनाथ बच्चियों को पढ़ाई के लिये 4.93 लाख रुपये की धनराशि के चेक वितरित किये।

उन्होंने प्लाज्मा डोनर राहुल दानी व तारा कोरंगा को भी सम्मानित किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश चीड़ रोजगार की दिशा में प्रमुख साधन बनेगा। चीड़ की पत्तियों से प्रदेश में विद्युत उत्पादन शुरू हो गया है। प्रदेश में चीड़ के जंगलों से 200 मेगावाट विद्युत उत्पादन की क्षमत्ता है। सरकार की ओर से फिलहाल दस हजार लोगों को स्वरोजगार देने की योजना है। इसके अलावा फसलों को बंदरों से बचाने के लिये जिलों में चार बंदरवाड़े बनाए जाएंगे। जिनका शिलान्यास राज्य स्थापना दिवस 9 नवम्बर को किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में चिकित्सा विभाग को और सुदृढ़ किया जाएगा और 720 चिकित्सकों व 1000 नर्सों की भर्ती होगी। उन्होंने आगे कहा कि मेडिकल कालेज के निमार्णाधीन आडिटोरियम के लिए आठ करोड़, आई बैंक के लिए 32 करोड़ व पनचक्की चौरोहे से काठगोदाम तक सड़क निमार्ण के लिए आठ करोड़ की धनराशि स्वीकृत कर दी गई है। इसी प्रकार हल्द्वानी में तैयार होने वाले कैंसर संस्थान व रिंग रोड का प्रस्ताव तैयार कर भारत सरकार को भेजा गया है। साथ ही चिड़ियाघर व बस अड्डा निमार्ण के लिये भूमि चयन कर वन भूमि हस्तांतरण का प्रस्ताव भी केन्द्र सरकार को भेजा गया है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : सप्ताह की शुरुआत किसी शुभ समाचार से होगी। मेहनत का परिणाम मिलने वाला है। किसी महत्वपूर्ण कार्य या निर्णय में परिवारजनों को आपकी राय की जरूरत लगेगी। पारिवारिक जीवन में किसी सदस्य का सहयोग मिलने से बड़े कार्य भी कुशलतापूर्वक पूरे कर लेंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा, लेकिन छोटे-छोटे लक्षणों को अनदेखा ना करें।

वृषभ : दौड़भाग वाला सप्ताह रहेगा। व्यर्थ के कार्यों के पीछे समय और धन नष्ट होगा। नौकरीपेशा और कारोबारियों को आर्थिक संकट के कारण मानसिक परेशानी भी आ सकती है। कार्य में शिथिलता आने से मन नहीं लगेगा। पारिवारिक जीवन थोड़ा डिस्टर्ब रह सकता है। किसी का सहयोग नहीं मिलने से मन खिन्न रहेगा।

मिथुन : आर्थिक संकटों का समाधान इस हफ्ते मिल सकता है। उलझनों, परेशानियों से बाहर निकलने का रास्ता मिलने वाला है। कार्य व्यवसाय के सिलसिले में यात्राएं करना पड़ेंगी। संयम और धैर्य के कारण सभी लोग आपसे प्रसन्न रहेंगे। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। पुराने और जीर्ण रोगों से मुक्ति मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुख रहेगा।

कर्क : मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। आर्थिक स्थिति में मजबूती का समय है, लेकिन आपको मन लगाकर मेहनत से काम करना होगा। काम को आगे टालने की प्रवृत्ति ठीक नहीं है। कारोबारियों को बिजनेस में नए इनोवेशन करना होंगे। नौकरीपेशा को कार्य स्थल पर असहयोग का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह : आपके आत्मविश्वास में जबर्दस्त वृद्धि होगी। इसका कारण आपके द्वारा किए जा रहे कार्यों में सफलता मिलना है। बिजनेस और जॉब में आशातीत सफलता मिलेगी। नए कार्य की रूपरेखा बनेगी और उसे कार्य रूप में परिणीत करने में कामयाब होंगे। लेकिन ध्यान रखें कामकाज की भागदौड़ में स्वास्थ्य का ध्यान रखना ना भूलें।

कन्या : बौद्धिक और तार्किक क्षमता मजबूत होने से बड़ी चुनौतियों को आसानी से पार कर लेंगे। जो भी निर्णय लेंगे उन्हें अंजाम तक पहुंचाने में कामयाब होंगे। पारिवारिक जीवन में आपके निर्णय को सराहना मिलेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आय के नए साधन मिलेंगे। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी, लेकिन माता-पिता की चिंता रहेगी।

तुला : भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा, लेकिन संतुलित रहते हुए खर्च करें। आय से अधिक खर्च करने की प्रवृत्ति से नुकसान में रहेंगे। सावधान रहें आप पर झूठे आरोप-प्रत्यारोप लग सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें, खासतौर पर अस्थमा और श्वास से संबंधित रोग वाले। पारिवारिक जीवन में सहयोग और सम्मान बना रहेगा।

वृश्चिक : क्रोध से बनती बात बिगड़ सकती है। व्यवहार को मृदु रखते हुए बात करेंगे तो सफल होने से कोई नहीं रोक पाएगा। बिजनेस को आगे बढ़ाने पर विचार करना होगा। पुराने ढर्रे को छोड़ें और कुछ नया सोचें, अवसर आपके सामने हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई पर फोकस करना है। प्रतियोगी परीक्षा में सफल होने के लिए मेहनत करना होगी।

धनु : परिवार को आपके सहयोग की जरूरत है। इसलिए जितना संभव हो प्रयास करें सबके साथ अच्छा करने का। अपनी बात मनवाने के लिए किसी पर दबाव ना डालें। पूर्व में की गई मेहनत का शुभ परिणाम आपको मिलने वाला है। इस सप्ताह आपकी आर्थिक योजनाएं साकार होंगी और पैसों की अच्छी आवक होगी।

मकर : आपके सोचे हुए कार्य पूरे होने का समय आ गया है, इसलिए संकेतों को पहचानते हुए कार्य करें, निश्चित सफलता मिलने वाली है। भाग्य का साथ मिलने से बड़े और कठिन कार्य भी आसानी से हो जाएंगे। आर्थिक रूप से मजबूती रहेगी। नौकरीपेशा को थोड़ी परेशानी महसूस होगी लेकिन धैर्य रखें आगे सब अच्छा होगा।

कुंभ : खुद पर भरोसा रखें, आप जो भी करेंगे उसमें सफलता मिलेगी ही, ऐसा विचार मन में रखकर काम करेंगे तो ही सफल होंगे। दूसरों के भरोसे ना रहें। अपने काम खुद करें। माता-पिता का सहयोग मिलेगा। अविवाहितों के विवाह की बात पक्की हो जाएगी। नए प्रेम संबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक संकटों का समाधान इस हफ्ते पूरी तरह तो नहीं होगा।

मीन : आपके कार्य इस सप्ताह गति तो पकड़ेंगे लेकिन उनके पूरा होने में संदेह है। लगातार मेहनत से शुभ परिणाम हासिल होंगे। इसमें किसी का सहयोग लेना पड़े तो संकोच ना करें। धैर्य की परीक्षा होगी और उसमें आप सफल होंगे। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। प्रेम संबंधों में पार्टनर का सहयोग रहेगा।

सोनू: जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, दिन-प्रतिदिन इंसान अमीर बनता जाता है।
मोनू: कैसे?
सोनू: बूढ़े होने पर चांदी बालों में, सोना दांतों में, मोती आंखों में, शुगर खून में और महंगे पत्थर किडनी में पाए जाने लगते हैं।

पिता: तुम आज फिर शराब पीकर आए हो, टाइम देखो कितना हुआ है?
बेटा: 12 में 5 कम।
पिता: और पियो शराब, अभी 7 बज रहे हैं और तुम्हें 12 में 5 कम नजर आ रहा है।
बेटा: तो 12 बारह में 5 कम कितना होता है? 7 ही तो होता है ना।

पत्नी: तुम तो प्रवचन सुनने गए थे ना। गुरूजी ने रोमांस करने को कहा है क्या जो मुझे गोद में उठा रहे हो।
पति: नहीं पगली, उन्होंने तो कहा है कि अपने दुख खुद उठाओ।

होटल-रेस्तरां में खत्म हो सकता है स्मोकिंग जोन? जानें क्या है वजह

देश में तंबाकू निषेध कानून को लागू हुए 12 साल हो गए हैं। 2 अक्तूबर 2008 को यह कानून लागू हुआ था। इस अवधि में 26.16 लाख लोगों को सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करते हुए जुर्माना लगाया गया, जिनसे 37.33 करोड़ की राशि वसूल की गई। इन 12 साल में तंबाकू के सेवन में छह फीसदी की गिरावट भी आई है। यह 34 फीसदी से घटकर 28 फीसदी पर आ गया है। इस कानून के जरिए पहली बार सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान को अपराध घोषित किया गया था और जुर्माने का प्रावधान किया गया था। साथ ही खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन से तंबाकू-सिगरेट कंपनियों को प्रतिबंधित कर दिया था।

तंबाकू उत्पादों पर भयानक चित्र चेतावनी जारी की गई थी। साथ ही तंबाकू दुकानों पर चेतावनी, स्कूलों के नजदीक ब्रिक्री पर रोक आदि के प्रावधान किए गए थे। लेकिन, इसके बावजूद इसके कुछ प्रावधानों को स्वास्थ्य कार्यकर्ता अभी भी हटाने की मांग कर रहे हैं। सार्वजनिक स्थानों जैसे होटल, रेस्तरां आदि में एक स्मोकिंग जोन बनाने का प्रावधान है, लेकिन स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि इससे पैसिव स्मोकिंग के खतरे कम नहीं होते हैं। यह पूरे होटल, रेस्तरां में बैठे लोगों के लिए खतरा है। क्योंकि ये स्मोकिंग जोन कोटपा के प्रावधानों के अनुरूप नहीं होते हैं, जिसमें ऐसे जोन को एकदम अलग बनाने की बात कही गई है। मैक्स इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर केयर के चैयरमैन डॉ. हरित चतुर्वेदी एवं पैसिव स्मोकिंग विक्टिम की नलिनी सत्यनारायण ने कहा कि सरकार को कोटपा में संसोधन कर सार्वजनिक स्थानों पर पूरी तरह से धूम्रपान को प्रतिबंधित कर देना चाहिए। लोगों को पैसिव स्मोकिंग के खतरों से बचाने के लिए जरूरी है।

कोरोना का टीका लगवाने के बाद दिख सकते हैं ये दो लक्षण

कोविड-19 टीकों की प्रभावकारिता पर चिंताएं बढ़ती जा रही हैं।

कई कंपनियां इसके उत्पादन में लगी हैं। इस बीच मॉडर्न और फाइजर कंपनी के परीक्षण में कई प्रतिभागियों ने उच्च बुखार, शरीर में दर्द, सिरदर्द और थकावट होने की शिकायत की है। हालांकि विशेषज्ञों ने कहा कि परीक्षण के दौरान यह आम बात है। उन्होंने कहा कि इसमें चिंता बढ़ाने वाली कोई बात नहीं है।

परीक्षण के तहत टीकों का कोई प्रतिकूल प्रभाव भारत में अब तक नहीं बताया गया है। विशेषज्ञों ने कहा है कि 24 घंटे के भीतर चले जाने वाले लक्षणों को सामान्य माना जाता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मॉडर्न के परीक्षण के दौरान वैक्सीन लेने के बाद एक प्रतिभागी ने ग्रेड तीन बुखार (102.2 डिग्री फ़ारेनहाइट) की शिकायत की है।

टीका लेने के बाद ये लक्षण दिखे

1. एस्ट्राजेनका और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की वैक्सीन के परीक्षणों को जापान में फिर से शुरू कर दिया गया है।

2. ब्रिटेन, ब्राजील, भारत और दक्षिण अफ्रीका में परीक्षण पहले से ही चल रहे हैं।

3. अमेरिका ने अभी भी एस्ट्राज़ेनेका को अमेरिका में अपना परीक्षण फिर से शुरू करने की अनुमति नहीं दी है।

4. भारत में एस्ट्राजेनका वैक्सीन परीक्षण का कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं देखा गया है।

5. कुछ प्रतिभागियों को टीके लेने के बाद बुखार हो सकता है।

आईसीएमआर और बायोलॉजिकल ई ने कोविड-19 का इलाज खोजा

आईसीएमआर ने हैदराबाद स्थित एक बायोफॉर्मास्युटिकल कंपनी के साथ मिलकर अत्यंत शुद्ध एंटीसेरा विकसित किया है। यह कोविड-19 का संभावित इलाज हो सकता है। इस अत्यंत शुद्ध एंटीसेरा' को घोड़ों में असक्रिय सार्स-सीओवी2 का इंजेक्शन देकर विकसित किया गया है। आईसीएमआर ने गुरुवार को कहा, आईसीएमआर और बायोलॉजिकल ई लिमिटेड, हैदराबाद ने कोविड-19 के वैक्सीन और इलाज के लिए अत्यंत शुद्ध एंटीसेरा विकसित किया है।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद में महामारी और संक्रामक रोग विभाग की प्रमुख सिमरन पांडा ने कहा है कि 'एंटीसेरा' सुरक्षित और प्रभावी है या नहीं यह जानने के लिए अभी उसका 'ह्यूमन क्लिनिकल ट्रायल' (मनुष्य पर परीक्षण) होना बाकी है और इस संबंध में शीघ्र ही भारत के औषधि महानयंत्रक से संपर्क किया जाएगा।

हाथरस जाने से पहले बोले राहुल- दुनिया की कोई ताकत मुझे पीड़ित परिवार से मिलने से नहीं रोक सकती

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुवाई में पार्टी सांसदों एक प्रतिनिधिमंडल शनिवार दोपहर हाथरस में कथित सामूहिक दुष्कर्म मामले की पीड़िता के परिवार से मिलने जाएगा। इस बीच राहुल ने ट्वीट कर कहा है कि दुनिया की कोई भी ताक़त मुझे हाथरस के इस दुखी परिवार से मिलकर उनका दर्द बांटने से नहीं रोक सकती। इससे पहले, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को पुलिस ने बृहस्पतिवार को पीड़िता के परिवार से मुलाकात के लिए हाथरस जाने से रोककर हिरासत में ले लिया था। दूसरी तरफ, कांग्रेस ने दावा किया कि राहुल और प्रियंका को उत्तर प्रदेश की पुलिस ने गिरफ्तार किया था। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस के कई सांसद हाथरस जाएंगे और शोकाकुल परिवार से मुलाकात करेंगे। सूत्रों ने बताया, ''कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल परिवार से मुलाकात कर उनकी चिंताएं सुनेगा और पीड़िता एवं परिवार के लिए न्याय की मांग करेगा। गौरतलब है कि 14 सितम्बर को हाथरस में चार युवकों ने 19 वर्षीय दलित लड़की से कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया था और मंगलवार को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में उसकी मौत हो गई जिसके बाद बुधवार की रात को उसके शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। पीड़िता के परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने उन्हें रात में अंतिम संस्कार करने के लिए बाध्य किया। बहरहाल, स्थानीय पुलिस का कहना है कि ''परिवार की इच्छा के मुताबिक अंतिम संस्कार किया गया।

दुनिया की सबसे लंबी अटल टनल का पीएम मोदी ने किया उद्घाटन, जानें इस सुरंग की खासियत

आज दुनिया की सबसे लंबी हाईवे सुरंग का उद्घाटन हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सामरिक रूप से महत्वपूर्ण सभी मौसम में खुली रहने वाली अटल सुरंग का आज यानी शनिवार सुबह हिमाचल प्रदेश के रोहतांग में उद्घाटन किया। इस अटल सुरंग के खुल जाने की वजह से मनाली और लेह के बीच की दूरी 46 किलोमीटर कम हो गई। उद्घाटन समारोह के बाद पीएम मोदी लाहौल स्पीति के सीसू और सोलांग घाटी में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

दरअसल, अटल सुरंग दुनिया में सबसे लंबी राजमार्ग सुरंग है और 9.02 लंबी सुरंग मनाली को सालों भर लाहौल स्पीति घाटी से जोड़े रखेगी। पहले घाटी छह महीने तक भारी बर्फबारी के कारण शेष हिस्से से कटी रहती थी। सुरंग को हिमालय के पीर पंजाल की पर्वत श्रृंखलाओं के बीच अत्याधुनिक विशिष्टताओं के साथ समुद्र तल से करीब तीन हजार मीटर की ऊंचाई पर बनाया गया है। अटल सुरंग का दक्षिणी पोर्टल मनाली से 25 किलोमीटर की दूरी पर 3060 मीटर की ऊंचाई पर बना है जबकि उत्तरी पोर्टल 3071 मीटर की ऊंचाई पर लाहौल घाटी में तेलिंग, सीसू गांव के नजदीक स्थित है। घोड़े की नाल के आकार वाली दो लेन वाली सुरंग में आठ मीटर चौड़ी सड़क है और इसकी ऊंचाई 5.525 मीटर है।

अटल सुरंग की डिजाइन प्रतिदिन तीन हजार कार और 1500 ट्रक के लिए तैयार की गई है जिसमें वाहनों की अधिकतम गति 80 किलोमीटर प्रति घंटे होगी। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने रोहतांग दर्रे के नीचे सामरिक रूप से महत्वपूर्ण इस सुरंग का निर्माण कराने का निर्णय किया था और सुरंग के दक्षिणी पोर्टल पर संपर्क मार्ग की आधारशिला 26 मई 2002 को रखी गई थी। मोदी सरकार ने दिसम्बर 2019 में पूर्व प्रधानमंत्री के सम्मान में सुरंग का नाम अटल सुरंग रखने का निर्णय किया था, जिनका निधन पिछले वर्ष हो गया। इस सुरंग से हर रोज 3000 कार और 1500 ट्रक 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आ जा सकेंगे। सुरंग में अग्नि शमन, रोशनी और निगरानी के व्यापक इंतजाम किये गए हैं।

रोहतांग दर्रे के नीचे यह ऐतिहासिक सुरंग बनाने का निर्णय पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में तीन जून 2000 में लिया गया था। इसकी आधारशिला 26 मई 2002 को रखी गयी और इसके बाद से सीमा सड़क संगठन सभी प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद इसे पूरा करने में जुटा था। सेरी नाला फाल्ट जोन में 587 मीटर क्षेत्र में सुरंग बनाने का काम सबसे चुनौतीपूर्ण था और इसे 15 अक्टूबर 2017 को पूरा किया गया। प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र मोदी ने 2014 में निमार्ण स्थल का दौरा कर निमार्ण कार्य का जायजा लिया था। पिछले 24 दिसम्बर को पीएम मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने वाजपेयी के इसमें योगदान के लिए इस सुरंग का नाम रोहतांग सुरंग के बजाय अटल सुरंग रखने को मंजूरी दी। सुरंग का 40 प्रतिशत कार्य पिछले दो सालों में पूरा किया गया है और इसके निमार्ण पर 3200 करोड़ रूपये की लागत आई है। इस सुरंग के दोनों द्वारों पर बैरियर लगे हैं। आपात स्थिति में बातचीत के लिए हर 150 मीटर पर टेलीफोन और हर 60 मीटर पर अग्निशमन यंत्र लगे हैं। घटनाओं का स्वत पता लगाने के लिए हर ढाई सौ मीटर पर सीसीटीवी कैमरा और हर एक किलोमीटर पर वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली लगी है। हर 25 मीटर पर आपात निकास के संकेत है तथा पूरी सुरंग में ब्रोडकास्टिंग सिस्टम लगाया गया है। सुरंग में हर 60 मीटर की दूरी पर कैमरे भी लगाये गये हैं।

मोरेटोरियम पर सुप्रीम कोर्ट में बोली मोदी सरकार, ब्याज पर ब्याज माफ करने को है तैयार

अगर आपने कोरोना काल में लोन मोरेटोरियम की सुविधा का लाभ लिया है तो आपके लिए एक अच्छी खबर है। केंद्र सरकार ने ऐसे लोगों को बड़ी राहत देने का ऐलान किया है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर कहा है कि एमएसएमई, एजुकेशन, होम, कंज्यूमर, ऑटो लोन पर लागू चक्रवृद्धि ब्याज (ब्याज पर ब्याज) को माफ किया जाएगा। हालांकि, हलफनामे में कहा गया है कि कर्ज पर संविदात्मक ब्याज पर छूट को माफ नहीं किया जा सकता है क्योंकि इससे बैंकों पर 6 लाख करोड़ रुपये से अधिक का वित्तीय बोझ पड़ेगा।

पहले ब्याज माफ करने के खिलाफ थे

बता दें पूर्व सीएजी राजीव महर्षि की अगुवाई वाली एक्सपर्ट कमेटी की सिफारिशों के बाद केंद्र ने इस मुद्दे पर अपना रुख बदला है। पहले केंद्र और आरबीआई ब्याज पर ब्याज माफ करने के खिलाफ थे। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दिए हलफनामे में कहा है कि सरकार ने छोटे कर्जदारों की मदद करने की परंपरा को बनाए रखने का फैसला किया है। कोरोना वायरस महामारी की स्थिति में, ब्याज की छूट का भार वहन सरकार करे यहीं सिर्फ समाधान है। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने कहा है कि उपयुक्त अनुदान के लिए संसद से अनुमति मांगी जाएगी।

सख्त टिप्पणी की थी सुप्रीम कोर्ट ने बता दें अगस्त में सुप्रीम कोर्ट ने मोरेटोरियम मामले में केंद्र सरकार पर सख्त टिप्पणी की थी। कोर्ट ने कहा था कि इस बारे में हलफनामा दाखिल कर केंद्र सरकार अपना रुख स्पष्ट करे और रिजर्व बैंक के पीछे छुपकर अपने को बचाए नहीं। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि आप सिर्फ कारोबार में दिलचस्पी नहीं ले सकते। आपको लोगों की परेशानियों को भी देखना होगा।

अब आम आदमी पर ये होगा असर

मार्च में कोरोना संकट की वजह से लॉकडाउन लागू किया गया था। इस वजह से काम-धंधे बंद थे और बहुत से लोग ईएमआई नहीं चुकाने की स्थिति में थे। इसे देखते हुए आरबीआई के आदेश पर बैंकों से ईएमआई नहीं चुकाने के लिए 6 महीने की मोहलत मिल गई, लेकिन सबसे बड़ी समस्या मोरेटोरियम के बदले लगने वाले अतिरिक्त चार्ज को लेकर थी।अब इस राहत से लोन मोरेटोरियम का लाभ ले रहे लोगों को ब्याज पर अतिरिक्त पैसे नहीं देने होंगे। ऐसे ग्राहक सिर्फ लोन का सामान्य ब्याज देंगे।

राजद और कांग्रेस की राजनीतिक दोस्ती के 22 साल पूरे, सफर में प्यार, तकरार और मनुहार

राजद और कांग्रेस की दोस्ती के बाइस साल पूरे हो गए। इस बीच दोस्ती टूटी भी और जुड़ी भी पर नतीजों में बहुत ज्यादा अंतर नहीं आया। दोनों के प्रदर्शन को हवा के रुख ने तय किया। इस बार स्थिति थोड़ी भिन्न है। हम और रालोसपा के जाने के बाद भी वामदल, वीआईपी और एनसीपी महागठबंधन का हिस्सा हैं। रालोसपा को तो महागठबंधन नहीं रोक पाया लेकिन वाम दलों का साथ कुछ नया गुल खिला सकता है। बिहार में कांग्रेस-राजद की दोस्ती की बात करें तो यह वर्ष 1998 के लोस चुनाव से शुरू हुई और 1999 के लोकसभा चुनाव में भी बरकरार रही। तब संयुक्त बिहार था। वर्ष 2000 के विस चुनाव में दोस्ती टूटी। तब कांग्रेस 324 सीटों पर लड़ी और 23 जीती। वहीं राजद ने 293 सीटों पर लड़ 124 पर जीत हासिल की। चुनाव बाद फिर गठबंधन हुआ और लालू यादव सीएम बने। 2004 का लोस चुनाव साथ लड़ा। राजद ने 22 और कांग्रेस ने तीन सीट जीतीं। बिहार से झारखंड अलग होने के बाद 2005 में हुए पहले विधानसभा चुनाव में भी दोस्ती रही। राजद 175 सीट पर लड़ा और 54 जीतीं। वहीं कांग्रेस 51 सीटों पर लड़कर नौ जीत सकी। 2009 के लोस चुनाव में दोस्ती टूटी। राजद 22 से चार सीट पर आ गया, जबकि कांग्रेस ने तीन सीटें जीतीं। वर्ष 2010 का विस चुनाव दोनों अलग लड़े। कांग्रेस चार और राजद भी 22 पर सिमट गया। 2015 के विधानसभा चुनाव में राजद और जदयू का साथ पाकर कांग्रेस का प्रदर्शन भी बेहतर हुआ। तब कांग्रेस ने 41 सीटों पर लड़कर 27 जीतीं। वहीं राजद 101 सीटों पर लड़ा और 80 पर जीत हासिल की। पिछले विस चुनाव में महागठबंधन में तीन ही दल थे। जदयू, राजद और कांग्रेस। जदयू और राजद 101-101 सीटों पर लड़े थे। जबकि कांग्रेस के हिस्से 41 सीटें आई थीं। एनडीए में भाजपा के साथ लोजपा, रालोसपा, हम शामिल थीं। महा गठबंधन को 178 पर और एनडीए को 58 सीटों पर जीत मिली थी। साथ आने से मिली मजबूती एक दौर में बिहार में वामदल मजबूत थे। इस बार वामदलों का साथ मिलने से राजद और कांग्रेस दोनों उत्साहित हैं। असल में वामदलों का राज्य के बड़े हिस्से में प्रभाव है। वो अलग रहकर ज्यादा सीटें तो नहीं जीत पाते लेकिन दूसरे दलों के साथ मिलकर उनकी स्थिति मजबूत बनाने में मदद जरूर कर सकते हैं। वर्ष 2015 के चुनाव की बात करें तो माले और भाकपा 98-98 सीटों पर और माकपा 43 सीट पर लड़े थे। तीनों ने मिलाकर तकरीबन छह प्रतिशत वोट हासिल किए थे, जिसमें माले को सर्वाधिक 3.82 प्रतिशत वोट मिले थे। कई चेहरों की अखर रही कमी राजद और कांग्रेस की दोस्ती को बरकरार रखने में कई चेहरे प्रमुख भूमिका अदा करते रहे हैं। इनमें से रघुवंश बाबू दुनियां से विदा हो गए। लालू यादव जेल में हैं तो शरद यादव अस्पताल में। वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजनैतिक कारणों से फिलहाल मुख्यधारा में नहीं हैं।

गैंगरेप के बाद केस दर्ज कराने के लिए 3 दिन तक काटती रही थाने के चक्कर, पड़ोसी के ताने पर....

मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले के चीचली थानाक्षेत्र में अनुसूचित जाति की एक 35 वर्षीय महिला ने खुदकुशी कर ली। महिला के साथ गांव के ही तीन लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया था। पीड़ित महिला इसकी रिपोर्ट लिखवाने के लिए तीन दिन तक पुलिस थाने व गोटी टोरिया पुलिस चौकी के चक्कर काटती रही, लेकिन किसी ने उसकी नहीं सुनी। इस बीच पड़ोस में ही रहने वाले आरोपी के पिता व एक महिला ने उस पर ताने कसे। पुलिस की अनदेखी और तानों से आहत होकर महिला ने आखिरकार शुक्रवार सुबह घर पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पीड़ित महिला की मौत के बाद पुलिस की नींद खुली और उसने दुष्कर्म के आरोप में तीन लोगों और खुदकुशी के लिए उकसाने के आरोप में पड़ोसी व एक अन्य महिला के खिलाफ मामला दर्ज किया। मामले में लापरवाही बरतने के लिए गोटी टोरिया पुलिस चौकी प्रभारी एमएल कुड़ापे को निलंबित कर दिया गया है। मामले में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने एसपी से जवाब-तलब किया है। एडिशनल एसपी व एसडीओपी को हटाने व चौकी प्रभारी पर प्रकरण दर्ज करने के निर्देश भी दिए हैं। वहीं, पीड़िता की एफआईआर दर्ज नहीं करने के कारण चौकी प्रभारी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार करने के निर्देश दिए हैं। गोटी-टोरिया पुलिस चौकी प्रभारी एमएल कुड़ापे को निलंबित कर दिया गया है और एसपी अजय सिंह से भी स्पष्टीकरण मांगा गया है। मृतका के पति के अनुसार, 28 सितंबर को उसकी पत्नी खेत में घास काटने गई थी। उसी दौरान वहां पुरुषोत्तम चौधरी, अरविंद चौधरी व अनिल राय ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। रात को महिला ने अपने पति को आपबीती बताई। इसके बात पति व परिजनों के साथ महिला गोटी टोरिया पुलिस चौकी पहुंची, जहां आवेदन लेकर सुबह मेडिकल कराने की बात कहकर उन्हें चलता कर दिया गया। अगले दिन वे पुनः गोटी टोरिया पुलिस चौकी पहुंचे तो रिपोर्ट लिखे बिना ही उन्हें भगा दिया गया। एडिशनल एसपी राजेश तिवारी के अनुसार गैंगरेप के आरोप में दो आरोपियों को हिरासत में भी ले लिया गया है। अन्य की तलाश जारी है। शुक्रवार को आत्महत्या के बाद एडीशनल एसपी राजेश तिवारी व गाडरवारा एसडीओ सीताराम यादव पुलिस बल के साथ मृतका के गांव पहुंचे। यादव के अनुसार, इस मामले में पांच आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इनमें गैंगरेप के आरोपी पुरुषोत्तम चौधरी, अरविंद चौधरी व अनिल राय के अलावा मृतक के गांव की लीलाबाई चौधरी व मोतीलाल चौधरी शामिल है। लीलाबाई व मोतीलाल पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है।

कोरोना काल में खाली खड़ी ट्रेनों का रखरखाव बढ़ा रहा है भारतीय रेलवे का खर्चा

कोरोना काल में यात्री यातायात के बजाय माल भाड़ा लदान के जरिए रिकॉर्ड बना रही और राजस्व अर्जित कर रही भारतीय रेल को संचालित नहीं हो रही ट्रेनों से नुकसान भी उठाना पड़ रहा है। रेलवे की लगभग 11,000 से ज्यादा यात्री ट्रेन है अभी संचालित नहीं हो रही है, लेकिन उनके रखरखाव का खर्च बदस्तूर जारी है। भारतीय रेल 13 हजार से ज्यादा यात्री ट्रेनों का संचालन करता है।

रेल बोर्ड के अध्यक्ष विनोद कुमार यादव ने इस बारे में साफ किया है कि इस समय जबकि अधिकांश यात्री ट्रेनों का संचालन नहीं हो रहा है, लेकिन उनके न्यूनतम रखरखाव करना पड़ रहा है। ट्रेनों को नियमित समयांतराल पर कुछ दूर चलाना ही पड़ता है, ताकि उनको पूरी तरह फिट रखा जा सके। इनमें सुरक्षा और संरक्षा मापदंडों को स्थिर बनाए रखना होता है। कुछ ट्रेनों को पूरी तरह से भी तैयार रखा गया है, ताकि मांग पर या सरकार द्वारा कोई फैसला होने पर उनको तुरंत संचालन में लाया जा सके।

भारतीय रेल इन ट्रेनों के रखरखाव पर होने वाले खर्चे का आंकड़ा तो नहीं दिया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि इन पर जो राशि खर्च हो रही है वह रेलवे के लिए घाटा है। इस समय रेलवे ढांचगत व्यय काफी कर रही है, जिससे उसके खर्च भी ज्यादा है। साथ ही बीते सालों में वह राजस्व अर्जित करने के लक्ष्यों से भी पीछे रही है।

हालांकि कोरोना काल में भारतीय रेल माल लदान को लेकर काफी सक्रिय हुई है और उसने उन क्षेत्रों का माल लदान भी शुरू किया है जो वह अब तक नहीं करती थी। इसके अलावा विशेष पार्सल ट्रेन और किसान ट्रेनों का संचालन भी किया है। इससे उसे काफी राजस्व भी मिल रहा है। साथ ही माल लदान के नए आंकड़े भी बन रहे हैं। भारतीय रेल के इस क्षेत्र में ज्यादा सक्रियता से सामने आने से विभिन्न तरह के सामानों का देश भर में आसानी से पहुंची बन रही है।

बिहार का एक ऐसा चुनाव भी जब भाजपा के 208 प्रत्याशी नहीं बचा पाए थे अपनी जमानत

दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी का दावा करने वाली भाजपा इस बार विधानसभा चुनाव में प्रत्याशियों की जमानत जब्त होने का दाग मिटाने में लगी है। जब से भाजपा चुनाव लड़ रही है, सरकार में आए या विपक्ष में, कुछ प्रत्याशियों की जमानत जब्त होती रही है। साल 2015 के चुनाव में सबसे अधिक मत लाने के बावजूद भाजपा के एक प्रत्याशी अपनी जमानत नहीं बचा पाए थे। पार्टी की कोशिश है कि इस बार के चुनाव में ऐसी नौबत नहीं आए और जमानत जब्त होने के दाग को वह इस चुनाव में धो ले। 1980 से भाजपा अस्तित्व में है। इसके पहले जनसंघ था। शुरू के वर्षों में देखें तो भाजपा 200 से अधिक सीटों पर चुनाव जरूर लड़ी पर उसके प्रत्याशियों की जमानत जब्त होने की संख्या भी अधिक थी। 1980 में पार्टी ने 246 सीटों पर चुनाव लड़ा। 21 सीटों पर जीत हासिल हुई पर 175 प्रत्याशी अपनी जमानत नहीं बचा सके। इसके बाद 1985 के चुनाव में भी 234 में से 172 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई थी। 1990 के चुनाव में भी 237 में से 135 सीटों पर भाजपा अपनी जमानत नहीं बचा सकी। भाजपा प्रत्याशियों की जमानत सबसे अधिक 1995 में जब्त हुई। लालू लहर में 315 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली भाजपा 41 सीट जीतने में तो कामयाब रही पर उसके 208 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई। साल 2000 का चुनाव पार्टी के लिए बड़े बदलाव वाला साबित रहा। 20 वर्षों से बिहार में संघर्ष कर रही भाजपा को बीते वर्षों की तुलना में बड़ी सफलता हासिल हुई।

SPORTS खेल जगत

हैदराबाद के खिलाफ मैच के दौरान परेशानी में दिखे एमएस धोनी, लेनी पड़ी दवाई

अंडर-19 वर्ल्ड कप से स्टार बनकर उभरे युवा प्रियम गर्ग और अभिषेक शर्मा की उम्दा बल्लेबाजी के बाद राशिद खान की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में शुक्रवार को तीन बार की चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स को सात रन से हरा दिया। इसके साथ ही चेन्नई को इस टूर्नामेंट में लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा। कप्तान महेंद्र सिंह धोनी बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आए लेकिन उन्हें रन गति तेज करने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा। अधिकतर मौकों पर नॉटआउट रहने वाले धोनी को विरोधी टीम इस मैच में भी आउट न कर सकी लेकिन भारत को दो वर्ल्ड कप जिताने वाले एमएस धोनी की बैटिंग के दौरान तबियत खराब दिखी। मैच के बाद धोनी ने अपनी तकलीफ के बारे में बात की और उसके पीछे के कारण को बताया। धोनी ने कहा कि मुझे कोई परेशानी नहीं है लेकिन इस तरह की गर्मी में गला बार-बार सूखता ही है।उन्होंने अपनी बल्लेबाजी और टीम की हार पर कहा कि मैं कई गेंदों पर खुलकर नहीं खेल सका।

शायद कुछ ज्यादा ही कोशिश कर रहा था। उन्होंने कहा कि हमने लगातार तीन मैच शायद कभी नहीं हारे। हमें गलतियों को सुधारना होगा। बार-बार एक जैसी गलतियां नहीं कर सकते। कैप छूटे, नोबॉल डाली। हम कुल मिलाकर बेहतर खेल सकते थे। अगर यह नॉकआउट मैच होता तो कैच छूटना कितना भारी पड़ सकता था। सनराइजर्स की अच्छी गेंदबाजी और चुस्त फील्डिंग के अलावा भीषण गर्मी का भी असर धोनी एंड कंपनी पर नजर आ रहा था। पारी के 19वें ओवर बैटिंग करते हुए धोनी काफी थके हुए लग रहे थे। इस ओवर की चौथी गेंद पर उन्होंने दो रन गए। धोनी इस समय कुछ असहज दिखाई दे रहे थे और उन्होंने टीम फिजियो को बुलाकर कुछ दवा ली। इस छोटे से ब्रेक के बाद धोनी ने पांचवीं गेंद पर छक्का जड़ दिया। छठी गेंद पर एक रन गया। अब चेन्नई को अंतिम छह गेंदों पर 28 रन चाहिए थे। इस मैच में अपना पहला आईपीएल खेल रहे अब्दुल समद ने आईपीएल में सबसे ज्यादा 194 मैच खेलने का रिकॉर्ड आज ही अपने नाम करने वाले महेंद्र सिंह धोनी को आखिरी ओवर मे खुलकर खेलने नहीं दिया। हैदराबाद के युवा खिलाड़ी अब्दुल समद आखिरी ओवर डाल रहे थे और पहली बाल पर उन्होंने पांच वाइड रन दे डाले। इसके बीच धोनी ने अपना बल्ला बदल लिया। पहली गेंद पर दो रन गए। इसके बाद दूसरी गेंद पर धोनी के बल्ले से सीधा चौका निकला। समद ने तीसरी गेंद पर एक रन दिया। चौथी गेंद पर एक रन गया और जीत हैदराबाद की झोली में चली गई। जीत के लिए 165 रन के लक्ष्य के जवाब में चेन्नई पांच विकेट पर 157 रन ही बना सकी। करन ने आखिरी गेंद पर छक्का जरूर मारा लेकिन सिर्फ हार का अंतर ही कम कर सके। धोनी ने नाबाद 47 और करन ने नाबाद 15 रन बनाए। हैदराबाद की तरफ से नटराजन ने दो विकेट लिए जबकि भुवनेश्वर और समद को एक-एक विकेट मिला।

9 साल के प्रियम गर्ग ने जड़ी तूफानी फिफ्टी, रोहित शर्मा-विराट कोहली को पीछे छोड़ा

आईपीएल के 13वें सीजन के 14वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने तीन बार की विजेता चेन्नई सुपर किंग्स को 7 रन से हराकर टूर्नामेंट में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। हैदराबाद ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 165 रन का टारगेट दिया। इसके जवाब में चेन्नई 5 विकेट पर 157 रन ही बना सकी। चेन्नई के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी नाबाद पवेलियन लौटे, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। हैदराबाद के लिए इस मैच में अंडर-19 वर्ल्ड कप में खेलने वाले युवा प्रियम गर्ग और अभिषेक शर्मा ने शानदार बल्लेबाजी की और टीम को एक मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में मदद की। अपनी 51 रनों की खास पारी के दम पर मैन ऑफ द मैच का खिताब जीतने वाले प्रियम गर्ग ने इस दौरान टीम इंडिया के दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली और रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया है।

प्रियम गर्ग ने अपने आइपीएल करियर का पहली फिफ्टी 23 गेंदों पर पूरी की। इसके साथ ही उन्होंने विराट कोहली और रोहित शर्मा को एक साथ पीछे छोड़ दिया। इस लीग में विराट कोहली व रोहित शर्मा दोनों ने ही अपना सबसे तेज अर्धशतक 24-24 गेंदों पर ही पूरा किया है। अब प्रियम गर्ग इन दोनों से आगे अपनी पहली ही अर्धशतकीय पारी के दौरान निकल गए हैं। इस

मैच में प्रियम गर्ग ने 26 गेंदों पर नाबाद 51 रन की पारी खेली और अपनी पारी में एक छक्का व 6 चौके जड़े। उनका स्ट्राइक रेट 196.15 का रहा।

उनकी यह पारी इसलिए भी बेहद खास रही क्योंकि उनकी टीम एक समय में 69 रन पर अपने 4 टॉप बल्लेबाजों को गंवा चुकी थी। टीम के तूफानी बल्लेबाज शून्य पर आउट हुए तो वहीं मनीष पांडे ने 29 रन बनाए। इसके बाद डेविड वॉर्नर 28 रन पर आउट हो गए तो केन विलियमसन भी 9 रन बनाकर रन आउट हो गए। टीम को स्कोर की जरूरत थी और ऐसे समय पर प्रियम ने अच्छी बल्लेबाजी की।

इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद ने 5 विकेट पर 164 रन बनाए। हैदराबाद के लिए प्रियम गर्ग और अभिषेक शर्मा ने पांचवें विकेट के लिए 71 रन की पार्टनरशिप की। दोनों ने इसके लिए 43 बॉल खेलीं। हैदराबाद के टॉप ऑर्डर बल्लेबाज इस मैच में कुछ खास नहीं कर सके। जॉनी बेयरस्टो(0) को मैच के पहले ही ओवर में दीपक चाहर ने आउट किया। इसके बाद मनीष पांडे (29) और डेविड वॉर्नर (28) अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल सके। मनीष को शार्दुल ठाकुर और वॉर्नर को पीयूष चावला ने आउट किया। केन विलियम्सन 9 रन ही बना सके। उन्हें अंबाती रायुडू और एमएस धोनी ने रनआउट किया।

RCB के खिलाफ मैच को लेकर राजस्थान रॉयल्स के ऑलराउंडर श्रेयस गोपाल ने दिया बड़ा बयान

इंडियन प्रीमियर लीग(आईपीएल) में शनिवार को दो मुकाबले खेले जाने हैं। इस दौरान पहले मुकाबले पहले मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स का सामना विराट कोहली की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर से होगा। मैच से पहले राजस्थान रॉयल्स के ऑलराउंडर खिलाड़ी श्रेयस गोपाल ने कहा है कि विराट कोहली की कप्तानी वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु एक मजबूत टीम है और उसके खिलाफ शनिवार को मुकाबला कड़ा होगा। गोपाल ने कहा कि यहां हमारा पहला दिन का मैच होने वाला है इसलिए ईमानदारी से हमें मैदान पर उतरकर उन परिस्थितियों का आकलन करने की आवश्यकता है। हम वास्तव में यहां बैठे कुछ भी अनुमान नहीं लगा सकते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि हमने आईसीसी अकादमी में दिन में कई बार अभ्यास किया है, इसलिए हम वहां पहुंचकर फैसला लेंगे। यह बहुत अलग नहीं होना चाहिए। मुझे लगता है कि यह वास्तव में एक अच्छा विकेट है और एक अच्छा मैच देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु हमेशा से एक अच्छी टीम और कड़ी प्रतिद्वंद्वी रही है। इस साल उन्होंने अच्छी शुरुआत करते हुए मैच जीते हैं।

उन्होंने कहा कि मुझे यकीन है यह एक शानदार मैच होने जा रहा है। यह बल्ले और गेंद के बीच एक शानदार प्रतियोगिता होगी। मैं वास्तव में उनके खिलाफ खेलना को उत्सुक हूं। उम्मीद है कि हम अपनी तीसरी जीत बोर्ड पर डाल सकते हैं और एक टीम के रूप में आगे बढ़ सकते हैं। विराट कोहली की अगुवाई वाली रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने अपने पिछले मुकाबले में मुंबई इंडियंस को सुपर ओवर में हराया था। वहीं दूसरी तरफ स्टीव स्मिथ की कप्तानी में राजस्थान रॉयल्स को अपने पिछले मुकाबले में कोलकाता नाइटराइडर्स से शिकस्त झेलनी पड़ी है।

यहां देखें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की टीम-

विराट कोहली (कप्तान), मोहम्मद सिराज, क्रिस मोरिस, जोश फिलिप, मोइन अली, एरन फिंच, एबी डिविलियर्स, शहबाज अहमद, पार्थिव पटेल, युजवेंद्र चहल, नवदीप सैनी, इसुरु उडाना, डेन स्टेन, पवन नेगी, देवदत्त पड्डीकल, शिवम दुबे, उमेश यादव, गुरुकीरत मान सिंह, वॉशिंगटन सुंदर, पवन देशपांडे, एडम जाम्पा।

देश परदेश

अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए कोरोना क्यों हो सकता है खतरनाक? इन 3 वजहों से अधिक है जोखिम

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पत्नी मेलेनिया ट्रंप के कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद दुनियाभर से उन्हें शुभकामनाएं भेजी जा रही हैं, तो दूसरी तरफ दुनिया के कारोबार और निवेशकों पर भी इसका असर देखने को मिला है। कोरोना से बचने के लिए मास्क पहनने से इनकार करते रहे डोनाल्ड ट्रंप ने भले ही पूरी दुनिया को अपने संक्रमित होने की जानकारी बहुत ही सहज तरीके से दी हो, लेकिन चुनाव से ठीक पहले वायरस की चपेट में आए ट्रंप इस जंग को हल्के में नहीं ले सकते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, ट्रंप की अधिक उम्र (74 वर्ष), ज्यादा वजन और पुरुष होना, ये तीन ऐसे फैक्टर हैं जो उन्हें कोरोना के हाई-रिस्क कैटिगरी में डाल देते हैं।

दुनिया के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति और उनकी पत्नी के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद अमेरिका चुनाव में भी यह मुद्दा और जोर पकड़ेगा, जबकि पहले से ही उन्हें कोरोना को प्रभावी तरीके से हैंडल नहीं कर पाने की वजह से घेरा जा रहा था। मेलेनिया से उम्र में 24 साल बड़े डोनाल्ड उम्र, वजन और जेंडर की जह से पत्नी के मुकाबले अधिक जोखिम में हैं। हालांकि, इस उम्र में भी अधिकतर मरीज केवल हल्के या मध्यम दर्जे के लक्षणों का अनुभव करते हैं, लेकिन शोधकर्ता अभी भी पूरी तरह नहीं समझ पाए हैं कि क्यों कुछ गंभीर रूप से बीमार हो जाते हैं।

यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नॉलजी सिडनी में रेसपिरेटरी डिजीज के एक्सपर्ट ब्रिआन ओलीवेर ने कहा, ''कोविड रूसी रोलेट (बंदूक से खेला जाने वाला घातक खेल) की तरह है। यह किसी को भी बुरी तरह प्रभावित कर सकता है, लेकिन हम जानते हैं कि जो लोग अधिक उम्र के हैं और वे पहले से बीमारियों से जूझ रहे हैं, उनके संक्रमित होने और गंभीर रिएक्शन की संभावना बढ़ जाती है।'' यह भी साफ नहीं है कि अमेरिकी राष्ट्रपति में कोई लक्षण हैं या नहीं। फर्स्ट लेडी ने एक ट्वीट में कहा कि वह और उनके पति अच्छा महसूस कर रहे हैं। ट्रंप के फीजिशियन ने कहा है कि राष्ट्रपति और फर्स्ट लेडी ने स्वास्थ्य लाभ के दौरान वॉइट हाउस में ही रहने का प्लान बनाया है।

अमेरिका के सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के मुताबिक, 18 से 29 साल की उम्र के लोगों की तुलना में 65 से 74 साल की उम्र के लोगों में अस्पताल में भर्ती होने की संभावना पांच गुना अधिक होती है तो मौत का खतरा 90 गुना अधिक है। इसके अलावा अमेरिका में अब तक कोरोना से जितने मरीजों की मौत हुई है, उनमें 54 पर्सेंट पुरुष हैं।

ओवरवेट भी हैं ट्रंप

उम्र के अलावा ट्रंप को उनका ओवरवेट होना भी जोखिम में डालता है। जून में सालाना शारीरिक जांच के रिकॉर्ड के मुताबिक, ट्रंप की हाइट 6 फीट 3 इंच है तो उनका वजन 244 पाउंड (110 किलो) है। इससे उनका बॉडीमास इंडेक्स 30.5 रहा। 30 से इससे अधिक बीएमआई वाले शख्स का वजन मोटापे की श्रेणी में आता है। हालांकि, विशेषज्ञ कहते हैं कि मोटापे और कोविड से मौत के बीच संबंध को लेकर अभी और अध्ययन की जरूरत है। हालांकि, अगस्त में ग्लोबल डेटा पर आधारित एक मेटा-एनालिसिस में कहा गया था कि मोटापे के शिकार लोगों में करोना से जान जाने का खतरा सामान्य बीएमआई वाले लोगों के मुकाबले 48 पर्सेंट अधिक होता है। एक अलग अध्ययन के मुताबिक अमेरिका में अस्पतालों में भर्ती हुए 17 हजार से अधिक मरीजों में एक तिहाई मोटे थे।

ट्रंप के लिए क्या है विशेषज्ञों की सलाह

ब्रिटेन में लिवरपूल स्कूल ऑफ ट्रोपिकल मेडिसिन के सीनियर क्लिनिकल लेक्चरर थोमस विंगफिल्ड कहते हैं, यह मानते हुए कि ट्रंप में कोरोना की पहचान जल्दी हो गई, उनके लिए अच्छा होगा कि खुद को अलग रखें, तरल पदार्थों का अधिक सेवन करें, आराम करें और लक्षणों पर नजर रखें। उन्होंने कहा कि अधिकतर लोगों की हालत संक्रमित होने के 5 से सात दिन बाद बिगड़ती है और जब सांस लेने में तकलीफ होती है तो अस्पताल में भर्ती कराना होता है।

ट्रंप के लिए यह राहत

जुलाई के बाद पहली बार भाई किम जोंग उन के साथ खेतों में घूमती दिखीं किम यो जोंग

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन की बहन जुलाई के बाद पहली बार देश की मीडिया में नजर आई हैं। सार्वजनिक कार्यक्रमों और मीडिया से उनकी इस दूरी को लेकर अटकलों का दौर चल पड़ा था। ऐसा माना जा रहा था साउथ कोरिया के खिलाफ लगातार विवादास्पद दबाव अभियान के बाद उनकी शक्तियों में कटौती कर दी गई है।

उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया की ओर से जारी तस्वीर में किम यो जोंग अपने भाई और कुच अधिकारियों के साथ खेत में घूमती नजर आ रही हैं। कतार में किम जोंग आगे चल रहे हैं तो उनके पीछे कुछ अधिकारी और उनकी बहन हैं। खेत के मेढ़ पर सभी सावधानी से चलते दिख रहे हैं। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने शुक्रवार को बताया कि किम जोंग उन अपनी बहन के साथ हाल ही में आए भयंकर बाढ़ के बाद पुनर्निर्माण कार्यों का जायजा लेने पहुंचे थे।

कुछ समय पहले जब किम जोंग उन काफी दिनों तक सार्वजनिक रूप से कहीं नजर नहीं आए तो उनके स्वास्थ्य को लेकर अटकलों का दौर चल रहा था। कुछ खबरों में तो उनके निधन तक की बात कही गई थी। इस दौरान राजनीतिक विश्लेषकों ने किम यो जोंग को भाई का उत्तराधिकारी बताया था। उन्हें आधिकारिक रूप से नंबर दो घोषित किया जा चुका है। लेकिन जुलाई के बाद से उनकी शक्तियों में कटौती की अटकलें थीं।

वह इससे पहले भाई के साथ एक चिकन फार्म में दिखी थीं। स्टेट मीडिया की ओर से जारी तस्वीर में वह भाई से सिगरेट का बट लेते हुई दिख रहीं थीं। नॉर्थ कोरिया को लेकर अमेरिका सरकार के लिए काम कर चुके स्वतंत्र राजनीतिक विश्लेषक रशेल मिनयोंग ने कहा, ''आज के रिपोर्ट में किम जोंग उन और अधिकारियों के साथ उनकी मौजूदगी से संकेत मिलता है कि उनका पद नहीं घटाया गया है।''

किम यो जोंग का स्टेटस साल के पहले हिस्से में तेजी से बढ़ा, जहां वह देश के दो सबसे बड़े दुश्मनों अमेरिका और साउथ कोरिया के खिलाफ नीतियां बनाने में अहम भूमिका अदा कर रही थीं। हाल ही में साउथ कोरिया के एक अखबार चोसन ने खबर दी है कि अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से पहले किम यो जोंग को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के लिए भेजा जा सकता है। इससे वह समर्थन का इजहार करेंगी।

किम यो जोंग ने जून में साउथ कोरिया को कई बार धमकी दी और उसकाया। दोनों देशों के बीच 2018 में सीमा पर बने संपर्क कार्यालय को तोड़ डाला गया। इससे पहले की बात और आगे बढ़ती उनके भाई ने जून के अंत में हस्तक्षेप करते हुए भड़काऊ कार्यवाहियों को रुकवा दिया था। इसके बाद जुलाई में उन्होंने संदेश जारी किया कि नॉर्थ कोरिया की ट्रंप के साथ मुलाकात की कोई इच्छा नहीं है। इसके बाद वह अगस्त में सत्ताधारी पार्टी की दो अहम बैठकों से गायब रहीं, जिससे अफवाहों और अटकलों को बल मिला था।

इमरान खान बोले- अगर मेरी जानकारी के बिना करगिल युद्ध होता तो मैं सेना प्रमुख को बर्खास्त कर देता

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि अगर उनकी जानकारी के बिना भारत के साथ करगिल युद्ध होता तो वह सेना प्रमुख को बर्खास्त कर देते। करगिल युद्ध के दौरान प्रधानमंत्री रहे नवाज शरीफ लंबे समय से कहते रहे हैं कि उन्हें 1999 में संघर्ष शुरू होने के घटनाक्रम की जानकारी नहीं थी। शरीफ का कहना है कि तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल परवेज मुशर्रफ ने उन्हें सूचित किये बिना करगिल पर हमला किया था।

इमरान खान ने गुरुवार को निजी टीवी चैनल 'समा टीवी को दिये साक्षात्कार में कहा, ''अगर करगिल अभियान मुझे जानकारी दिये बिना शुरू किया जाता तो मैं सेना प्रमुख को बर्खास्त कर देता।'' खान ने यह भी कहा कि अगर आईएसआई प्रमुख उन्हें इस्तीफे को कहते तो वह उसे भी हटा देते।

खान का यह बयान तीन बार प्रधानमंत्री रह चुके शरीफ के इस दावे के संदर्भ में आया है कि जब 2014 में खान ने राजधानी में बड़ा धरना प्रदर्शन किया था तो आईएसआई प्रमुख ने शरीफ को इस्तीफा देने को कहा था। प्रधानमंत्री खान ने सैन्य प्रतिष्ठान पर निशाना साधने के लिए शरीफ को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि सेना देश को एकजुट रख रही है।

उन्होंने कहा, ''लीबिया, सीरिया, इराक, अफगानिस्तान, यमन को देखिए। पूरा मुस्लिम जगत जल रहा है। हम कैसे सुरक्षित हैं? अगर सेना नहीं होती तो हमारा देश तीन हिस्सों में बंटा होता।''

शरीफ ने हाल ही में लंदन से दो भाषण दिये थे जहां वह इलाज के लिए नवंबर 2019 से रह रहे हैं। इनमें उन्होंने सेना पर राजनीति में हस्तक्षेप के लिए सीधे तौर पर निशाना साधा और दावा किया कि खान सेना की मदद से ही सत्ता में आये।

खान ने कहा कि सरकार चलाने का काम सेना का नहीं है और

लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गयी सरकार की नाकामी का इस्तेमाल मार्शल कानून लागू करने के लिए नहीं होना चाहिए।

'सच के लिए बोलना सीखें', शाहरुख खान की इस पोस्ट पर एक्ट्रेस सयानी गुप्ता का फूटा गुस्सा

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान पर उनकी पोस्ट को लेकर 'फोर मोर शॉट्स फेम' एक्ट्रेस सयानी गुप्ता ने तंज कसा है। दरअसल, शाहरुख खान ने एक गांधी जयंती के मौके पर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए बुरा ना बोलो, बुरा ना देखो और बुरा ना सुनो की नसीहत दी। जिसके जवाब में सयानी गुप्ता ने किंग खान को नसीहत दी कि सच बोलने की हिम्मत सभी में होनी चाहिए। शाहरुख खान ने अपनी पोस्ट के साथ एक फोटो भी शेयर की है। इस तस्वीर में सुहाना ने अपनी आंखों पर हाथ रखा हुआ है, जो दिखाता है कि बुरा नहीं देखना चाहिए। ट्वीट में शाहरुख ने लिखा-'इस गांधी जयंती अगर हम अपने बच्चों को बताना या सिखाना चाहे तो कुछ ऐसा बताएं जो उनके अच्छे और बुरे समय में काम आए। तो वो ये है कि बुरा मत सुनो, बुरा मत कहो और बुरा मत सुनो।' शाहरुख की इस पोस्ट को सुहाना खान की पोस्ट से जोड़ा जा रहा है, जिसमें उन्होंने अपने स्किन टोन को लेकर बात की थी। वहीं सयानी गुप्ता ने शाहरुख खान के इस पोस्ट पर कंस कसते हुए ट्वीट किया। एक्ट्रेस ने लिखा-'सही तो बोलना ही चाहिए। गांधी जी ने हमें ये भी सिखाया है कि सत्य के लिए बोलना चाहिए। पीड़ितों के लिए आवाज उठानी चाहिए, दलित भाई-बहनों के हक के लिए बोलना चाहिए। सिर्फ अपने आंख-कान बंद नहीं कर लेने चाहिए।' सुहाना ने लिखा था, 'अभी बहुत कुछ चल रहा है और यह उन मुद्दों में से एक है, जिन्हें हमें ठीक करने की जरूरत है। यह सिर्फ मेरे बारे में नहीं है, यह हर युवा लड़की और लड़के के बारे में है जो बिना किसी कारण हीन भावना के साथ बड़े हुए हैं। मेरे लुक्स को लेकर बहुत कुछ कहा गया है। जब मैं 12 साल की थी तब मुझे बताया गया कि मैं अपनी स्किन के कारण बदसूरत हूं। ऐसा कहने वालों में बड़े पुरुष और महिलाएं शामिल हैं।'उन्होंने आगे लिखा था, 'हम सभी भारतीय मूल रूप से ब्राउन कलर के ही होते हैं। हां, हम अलग-अलग शेड्स से आते हैं, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपने खुद को अलग करने की कितनी कोशिश की, लेकिन आप ऐसा नहीं कर सकते। अपने ही लोगों से नफरत करने से पता चलता है कि आप खुद को लेकर कितने असुरक्षित हैं।' सुहाना ने पोस्ट के आखिर में लिखा था कि मैं माफी चाहती हूं अगर सोशल मीडिया, इंडियन मैचमेकिंग और आपके परिवार ने आपको यह यकीन दिलाया हो कि अगर आप 5'7 के नहीं हैं या फिर आपका कलर फेयर नहीं हैं तो आप सुंदर नहीं हैं। उम्मीद करती हूं कि यह आपकी मदद करेगा। मैं 5'3 इंच की हूं। मेरा कलर ब्राउन है और इसे लेकर बेहद खुश हूं। आपको भी खुश रहना चाहिए।

जानिए करण जौहर ने पीएम मोदी को क्यों लिखी चिट्ठी? सोशल मीडिया पर वायरल

फिल्म प्रोड्यूसर और डायरेक्टर करण जौहर ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्पेशल चिट्ठी लिखी है। उन्होंने एक ट्वीट में लिखा कि बॉलीवुड देश की आजादी के 75 साल पूरे होने पर स्पेशल फिल्में बनाएगा। करण जौहर ने इस मुहिम की जानकारी पीएम मोदी को विस्तार से दी है। करण ने लिखा-'प्रधानमंत्री मोदी जी हमारे लिए यह गर्व की बात है कि हम इस महान देश की कहानियां बनाने जा रहे हैं। अब आजादी के 75 साल का जश्न मनाया जाएगा।' करण ने आगे लिखा- कैंपेन के तहत फिल्म इंडस्ट्री ऐसी कहानियां दिखाना चाहती है जिसमें देश की संस्कृति और शौर्य दिखे। कहानियों ने ही हमें बनाया है। बीते साल महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर राजकुमार हिरानी ने एक फिल्म बनाई थी। अब आजादी के सेलिब्रेशन के लिए खुद को कुछ शानदार मुहिम के साथ जोड़ने जा रहे हैं।' करण लिखते हैं-'अब ऐसी कहानियां दिखाई जाएंगी जो भारत की आत्मा दिखाएं। इस कैंपेन में बॉलीवुड आपके सहयोग की उम्मीद रखता है।' आपको बता दें कि इस मुहिम में एकता कपूर, रोहित शेट्टी, साजिद नाडियालवाला समेत कई दिग्गज फिल्म निर्माता और निर्देशक शामिल हैं। इन सभी की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को करण जौहर ने चिट्ठी लिखी है। करण जौहर की इस मुहिम में हिस्सा बनने पर फैन्स उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- शानदार शुरुआत। वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा- यह आजादी के जश्न को मनाने का शानदार आइडिया है। एक फैन ने लिखा- ब्रिलिएट मुहिम।

चिल्ड्रन वेलफेयर ट्रस्ट (मुंबई) द्वारा जिला परिषद प्राथमिक विद्यालय,देवघर (पुणे) का दो मंजिला भवन का पुनर्निर्माण किया गया

मुंबई/ पुणे : स्कूल को बुनियादी जरूरत को समझते हुए मुंबई के यारी रोड,अंधेरी (वेस्ट) में स्थित चिल्ड्रन वेलफेयर ट्रस्ट के संचालक ज्ञानगुरूमहर्षि माननीय श्री. अजय जवाहर कौल द्वारा जिला परिषद प्राथमिक विद्यालय,ग्राम पंचायत वाकसई ता. मावळ जि. पुणे देवघर में स्कूल के नए दो मंजिला भवन का पुनर्निर्माण किया गया और रविवार 27 सितंबर, 2020 को भवन का उद्घाटन मावल के विधायक श्री सुनील अन्ना शेलके द्वारा किया गया। सभी ने अजय कौल की तारीफ की और कहा कि भवन निर्माण करवा के उन्होने आनेवाले विद्यार्थियो के लिये और युवा पीढ़ी की बेहतरी के लिए एक बड़ा काम किया है। इस अवसर पर सर अजय कौल ने कहा,' आज की युवा पीढ़ी के बेहतर भविष्य के लिए जरुरी है कि उनको बेहतर शिक्षा दी जाय, जो कि उन्हे अंधकार से आत्मज्ञान की ओर बढ़ने में मदद करे। वे जिससे अपना अच्छा बुरा पहचान सके। इस अवसर पर मुंबई महिला विभाग प्रमुख और कॉर्पोरेटर राजूल पटेल, उपविभाग प्रमुख राजेश शेटे, नगर सेविका प्रतिमा खोपडे, शाखा प्रमुख सतिश परब, सुजाता वाढवा, चिल्ड्रन वेलफेयर सेंटर हाई स्कूल एक्टिविटी चेयरमैन प्रशांत काशिद उपस्थित थे।

जावेद अख्तर ने बताया-अगर फरहान और जोया लेते ड्रग्स, तो क्या करते

पिछले कुछ दिनों से बॉलीवुड के ड्रग्स कनेक्शन का मुद्दा काफी सुर्खियों में है। ड्रग्स केस में अब तक कई सेलेब्स के नाम सामने आए हैं। अब हाल ही में जावेद अख्तर ने बताया कि अगर फरहान और जोया ड्रग्स लेते तो उनका क्या रिएक्शन होता। जावेद ने कहा, 'मैं उन्हें कहता कि ऐसा मत करो। यह बिल्कुल सही नहीं है। साल 1991 के बाद मैंने शराब को हाथ नहीं लगाया। पहले मैं रोज शराब पीता था। अब अगर मुझे पता चले कि मेरी बेटी गांजा ले रही है तो मैं उसे मना करता। अगर वह मेरी बात मान जाती तो ठीक, लेकिन नहीं मानती तो मैं क्या ही करता। वह अब बड़ी हो गई है। ये बातें मेरे बेटे पर भी अप्लाई होती है।'
जावेद ने आगे कहा, 'चरस और गांजा अब आम है और हर कॉलेज के बाहर मिलता है। इसे ड्रग्स से जोड़कर देखना गलत होगा। मैंने कभी नहीं सुना कि किसी ने मरिजुआना स्मोक करने के बाद मर्डर किया हो।'
बता दें इससे पहले जावेद अख्तर ने करण जौहर के पार्टी वीडियो को लेकर कमेंट किया था जिसको लेकर दावा किया जा रहा है कि उसमें सभी सेलेब्स ने ड्रग्स लिए थे।
जवाद ने उस वीडियो को लेकर सोशल मीडिया पर लिखा था, 'अगर करण जौहर ने अपनी पार्टी में कुछ किसानों को भी बुला लिया होता तो टीवी चैनल्स की जिंदगी आसान हो जाती। उन्हें किसानों के प्रदर्शन और करण की पार्टी में से एक को चुनना नहीं पड़ता! ऐसा लगता है कि करण की पार्टी हमारे चैनल्स की दूसरी सबसे फेवरेट 'पार्टी' है।'
बता दें कि ड्रग्स मामाले में रिया चक्रवर्ती और उनके भाई शौविक की गिरफ्तारी के बाद दीपिका पादुकोण, सारा अली खान, श्रद्धा कपूर और रकुल प्रीत से ड्रग्स को लेकर पूछताछ हुई है।

'पेड़ के नीचे लेटकर हवा खाए हो?', फैन के सवाल का एक्टर राजकुमार राव ने दिया मजेदार जवाब

बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव ने एक फैन के सवाल का बेहद मजेदार जवाब दिया है। राजकुमार राव की एक इंस्टाग्राम पोस्ट कर कमेंट करते हुए एक फैन ने पूछा-पेड़ के नीचे लेटकर हवा खाए हो? जिसके जवाब में एक्टर ने लिखा- बहुत बारी दोस्त। दरअसल, राजकुमार राव ने अपनी एक तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन लिखा-'फैन या एसी? पर बचपन में जो मजा कूलर की ठंडी ठंडी हवा में आता था, उसकी बात ही कुछ और है।' राजकुमार ने इस तस्वीर चश्मा भी पहन रखा है। तस्वीर में आप देख सकते हैं कि उनके चश्मे में एक तरफ पंखा और दूसरी तरफ एसी दिख रहा है। वहीं एक अन्य यूजर ने राजकुमार की पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा- ओह मैन वो क्या फीलिंग होती थी। कूलर में हर दिन पानी भरना। जिसके जवाब एक्टर ने लिखा- मुझे पता है भाई। 'बरेली की बर्फी' एक्टर की इस पोस्ट पर फैन्स से खूब मजेदार कमेंट किए हैं। आलम यह है कि राजकुमार राव की इस पोस्ट को 3 लाख से भी ज्यादा लाइक्स अबतक मिल गए हैं। राजकुमार राव ने हाल ही में गर्लफ्रेंड पत्रलेखा के साथ की वैष्णो देवी यात्रा की थ्रोबैक तस्वीरें शेयर की थीं। तस्वीरों में राजकुमार और पत्रलेखा के बीच की केमेस्ट्री और बॉन्डिंग देखने लायक है। फिल्म क्रिटिक राजीव मसंद के साथ बातचीत में, राजकुमार राव ने बताया था कि उन्होंने गर्लफ्रेंड पत्रलेखा के साथ लॉकडाउन में साथ रहने का फैसला क्यों किया था। उन्होंने कहा था, 'वह बहुत करीब रहती है, उसका घर अंधेरी में मेरे घर के बहुत करीब है। इसलिए सौभाग्य से रात 8 बजे, जब मोदी जी ने लॉकडाउन का ऐलान किया, तो हमने फैसला किया। मैंने कहा कि हम पिछले 3 के लिए बहुत बिजी थे। सालों से अलग-अलग काम कर रहे थे, सोचा कि इन 21 दिनों या शायद और ज्यादा, हमें इस समय को एक साथ बिताना चाहिए।'

शो में अमिताभ बच्चन ने बताया लॉकडाउन में प्रवासी मजदूरों को हवाई जहाज से घर पहुंचाया

कौन बनेगा करोड़पति 12 का शुक्रवार को पहला कर्मवीर स्पेशल एपिसोड है। शो मे मेहमान के रूप में उदयपुर की संस्था आजीविका के संस्थापक राजीव खंडेलवाल और कृष्णावतार शर्मा आए। बता दें कि कृष्णावतार शर्मा और राजीव खंडेलवाल एक गैर-लाभकारी संगठन के संस्थापक है जो प्रवासी मजदूरों की मदद करते हैं। बिग बी ने दोनों का स्वागत करते हुए कहा, 'बात इसी साल मई-जून की है जब सब कुछ बंद था। हमने लाखों की तदाद में मजदूरों को नंगे पांव अपने बेजान थके बच्चों कांधे पर लादकर चलते देखा है। कृष्णावतार और राजीव की संस्था आजीविका ने 5 लाख से ज्यादा प्रवासी मजदूरों की मदद की।'
इस दौरान बिग बी दोनों से लॉकडाउन के वक्त मजदूरों को हुई दिक्कतों के बारे में बात करते हैं। बिग बी यह भी बताते हैं कि उन्होंने भी लॉकडाउन में मजदूरों को घर पहुंचाया था।
बिग बी कहते हैं, 'अब अपने बारे में क्या कहना, लेकिन जब हमें पता चला कि मजदूरों को घर जाने में दिक्कतें हो रही हैं तो हमने उनके लिए बस और ट्रेन बुक की। लेकिन फिर हमें पता चला कि ट्रेन नहीं चल रही है तो हमने फिर हवाई जहाज के जरिए प्रवासी मजदूरों को उनके घर पहुंचाया।'
वहीं जब कृष्णावतार और राजीव देश के मजदूरों की हालत बताते हैं तो बिग बी इमोशनल हो जाते हैं। बिग बी दोनों से मजदूरों की दिक्कतों के बारे में डिटेल में बताने के लिए कहते हैं। दोनों की बातें सुनकर बिग बी कहते हैं कि ये बातें सुनकर आज मुझे नींद नहीं आएगी।

कास्टिंग काउच को लेकर ईशा कोप्पिकर ने कहा, बहुत एक्ट्रेसेस इसके सहारे ऊंचे मुकाम पर पहुंची हैं

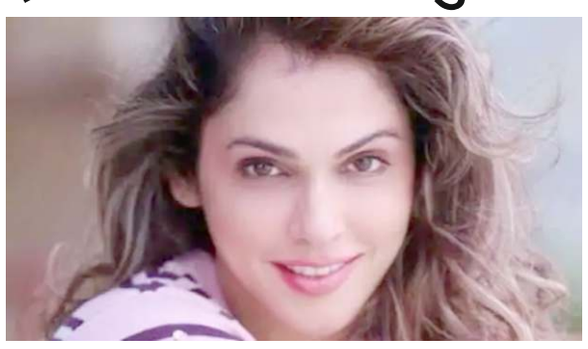

बॉलीवुड में इन दिनों नेपोटिज्म को लेकर बहस तेज है। इस मामले पर कई सेलेब्स ने अपने रिएक्शन दिए हैं। कुछ का कहना है कि नेपोटिज्म होता है तो कुछ का मानना है कि नेपोटिज्म मायने नहीं रखता, सिर्फ आपका काम बोलता है। अब इस मामले पर ईशा कोप्पिकर ने अपनी राय दी है। ईशा ने कहा, चाहे आप नेपोटिज्म कहें या फेवरेटिज्म, मैं मानती हूं कि यह हम जैसे आउटसाइडर्स के लिए नुकसान की बात होती है। लेकिन हर स्टार किड्स को इसका फायदा नहीं होता है। बहुत से स्टार किड्स आए और ज्यादा कुछ नहीं कर पाए क्योंकि उनमें हुनर की कमी थी। लेकिन वहीं कुछ आउटसाइडर्स हैं जिन्होंने अपनी मेहनत से इंडस्ट्री में अपनी खास जगह बनाई है जैसे माधुरी दीक्षित, दीपिका पादुकोण, प्रियंका चोपड़ा, अनुष्का शर्मा।
बॉलीवुड में मौजूदा कैंप को लेकर ईशा ने कहा, 'हां, यहां कैंप हैं, लेकिन मैं इस बारे में क्या कह सकती हूं? हो सकता है कि ये लोग उन लोगों के साथ काम करना चाहते हों जिन्हें वे पसंद करते हैं, उनके दोस्त और जो लोग उनकी बात सुनते हैं। मुझे नहीं पता है कि अंदर क्या होता है इसलिए मैं इस बारे में अंदाजा नहीं लगाना चाहती। मेरी भी शिकायतें हैं, लेकिन मैं बोलूंगी नहीं' कास्टिंग काउच के बारे में बात करते हुए ईशा ने कहा, 'बेशक यह भी होता है लेकिन फिर यह निर्भर करता है कि आप क्या चाहते हैं। आपको कास्टिंग काउच के सहारे काम करना हैं, तो करो, बहुत से हीरोइनों ने किया है और ऊंचे मुकाम पर भी पहुंची हैं लेकिन अगर आप नहीं चाहते हैं, तो ऐसा न करें। आपके पास हमेशा एक विकल्प होता है। मैं तो रात को अच्छी नींद पसंद करती हूं।'

हाथरस की निर्भया को न्याय दिलाने को राष्ट्रीय व्यापारी पार्टी ने निकाली कैंडिल मार्च

फोटो परिचय। कस्बा झींझक कानपुर देहात में कैंडल मार्च निकालते राष्ट्रीय व्यापारी पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता

झीझंक कानपुर देहात । हाथरस की निर्भया को न्याय दिलाने को लेकर गुरुवार की देर शाम कस्बा झींझक सहित अन्य कस्बों में राष्ट्रीय व्यापारी पार्टी की युवा इकाई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मनोज पोरवाल के निर्देशन में कैंडल मार्च निकाला गया । जनपद कानपुर देहात के कस्बा झींझक में जिला अध्यक्ष सूरज मिश्रा ने स्वयं कमान संभाली और उनकी अगुवाई में हाथरस की निर्भया को न्याय दिलाने के लिए कैंडल मार्च निकाला गया।कार्यकर्ता अपने गले में तख्ती व हांथो में कैंडल लेकर चल रहे थे वे हाथरस की पीड़ित बेटी को न्याय दिलाने व आरोपियों को कड़ी सजा दिए जाने की मांग कर रहे थे। कैंडल मार्च में राष्ट्रीय व्यापारी पार्टी के बाल कृष्ण मिश्रा, विष्णु चंद्र शुक्ला. बलवंत राठौर, लल्ल ग्रन यादव, मुकुल यादव , कन्हैया, कपिल पांडेय, राजू गौतम, कुंवर लाल, दशरथ, हरमोहन मास्टर, रामसनेही अमित मिश्रा,उत्तम मिश्रा, अनुराग , पप्पू बाल्मीक, राजू बाथम, शिवशंकर बाथम, अशोक बाथम, भानू राठौर बंशलाल राठौर,दया शंकर शर्मा, मनोज सविता, राम जी , बबलू, संदीप, राजा बाबू गौतम. मनीषा बाल्मीकि आदि ने भाग लिया ।

धर्मेंद्र से कभी अपनी दिल की बात नहीं कह पाए बॉबी देओल, कहा- अपने बच्चों के साथ ऐसा नहीं होने दूंगा

बॉबी देओल और सनी देओल अपने पिता धर्मेंद्र से काफी प्यार करते हैं। तीनों ने साथ में फिल्में भी की हैं लेकिन बॉबी को लगता है कि पिता धर्मेंद्र के साथ उनका डिस्टेंस रिलेशनशिप रहा है। बॉबी ने बताया कि वह अपने पिता के साथ ज्यादा समय नहीं बिता पाते थे क्योंकि धर्मेंद्र शूटिंग में बिजी रहते थे। एक मैग्जीन से बात करते हुए बॉबी ने कहा कि वह धर्मेंद्र की काफी रिस्पेक्ट करते हैं, लेकिन उनके साथ ज्यादा ओपन नहीं रहे हैं। बॉबी को लगता है कि उनके पिता अभी भी उन्हें डांट देंगे अगर वह उनके साथ ज्यादा फ्रैंक होंगे।
बॉबी ने कहा, 'जब हम बड़े हो रहे थे, उस समय पापा बहुत काम करते थे, जिस वजह से हम उनके साथ ज्यादा समय नहीं बिता पाए। मैं उनके साथ शूटिंग पर जाता था। उस समय लोगों की सोच और बर्ताव काफी अलग था। एक पिता और बेटे के बीच का रिश्ता इतना फ्रेंडली नहीं था, जैसा आज है। मैं अब ध्यान रखता हूं कि मेरे बच्चों में और मुझमें वो हिचकिचाहट ना हो। हमारे काफी फ्रेंडली रिलेशनशिप है।'
बॉबी ने आगे कहा, 'पहले के बच्चे अपने पैरेंट्स की काफी रिस्पेक्ट करते थे, लेकिन उनसे अपने दिल की बात नहीं कह पाते थे। मेरे पापा को हमेशा मुझसे शिकायत रहती थी कि मैं उनसे दिल की बात नहीं कहता। वह मुझे अपने पास बैठकर बात करने के लिए कहते थे, लेकिन मैं उनसे कहता हूं कि आज भी मुझे डर लगता है कि कहीं आप डांट ना दो। तो मैं अपने बच्चों के मन में कभी यह डर नहीं आने दे सकता।'
मैं शराब पीने के साथ खुद पर तरस खाने लगा था
बॉबी ने कुछ दिनों पहले एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि जब आप खुद पर तरस खाने लगते हैं तो दुनिया के बारे में उल्टा-सीधा बोलना शुरू कर देते हैं। ये सब मेरे साथ करीब दो से तीन साल तक हुआ। मैं खुद पर तरस खाने लगा था। सोचने लगा था कि कोई मेरे साथ काम नहीं करना चाहता। मैंने शराब पीनी शुरू कर दी। खुद को नंब करने लगा।
बॉबी ने कहा था, 'फिर एक दिन मुझे महसूस हुआ कि मैं खुद के साथ आखिर कर क्या रहा हूं। मैं कहां गलत रहा। मैं अपने बच्चों की आंखों में देखने लगा था कि हमारे पापा पूरा दिन घर पर रहते हैं। पत्नी और मां में भी ऐसा ही देखा। देखने के बाद मेरे अंदर कुछ तो बदला। मुझे महसूस हुआ कि अगर मुझे आगे बढ़ना है तो मुझे किसी का इंतजार नहीं करना चाहिए। खुद से काम करना चाहिए। तब जाकर मैंने खुद पर काम करना शुरू किया। दो से तीन साल में मैं काफी व्यस्त रहा हूं।'

ट्रोलर ने कहा-अमिताभ बच्चन की वजह से मिलता है आपको काम, अभिषेक ने दिया यह जवाब

अभिषेक बच्चन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। वह ट्रोलर्स को भी करारा जवाब देते रहते हैं। अब हाल ही में एक यूजर ने कमेंट किया कि अभिषेक को काम, बिग बी की वजह से मिलता है। इस पर एक्टर ने ट्रोलर को मुंहतोड़ जवाब दिया। अभिषेक नाम के यूजर ने लिखा, 'आपको नहीं लगता की आपको फिल्मों में काम सिर्फ अमिताभ बच्चन के बेटे होने की वजह से मिलता है'। एक्टर ने जवाब में लिखा, 'काश जो आप कह रहे होते सच होता। सोचिए, कितना काम मिलता मुझे'। जब दूसरे अभिषेक नाम के यूजर ने कहा, 'अभिषेक को उनकी पहली फिल्म रिफ्यूजी इसलिए मिली क्योंकि वह नेपोकिड थे'। इस यूजर का जवाब देते हुए एक्टर ने लिखा, 'अरे यार, ये सारे दुनिया के अभिषेक मेरे पीछे क्यों पड़ गए हैं। बक्श दो महाराज, चुप-चाप अपना काम कर रहा हूं'। मालूम हो कि अभिषेक बच्चन हाल ही में कोरोना को हराने के बाद काम पर वापसी कर ली है। इसकी जानकारी उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर दी थी। अभिषेक ने अपने नए हेयरकट की तस्वीर शेयर की थी। इसमें एक फोटो हेयरकट से पहले तो दूसरी हेयरकट के बाद की थी। अभिषेक ने तस्वीरें शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा था, 'पहले और बाद में। काम पर लौटने का समय आ गया है।' अभिषेक बच्चन की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो हाल ही में उनकी वेब सीरीज ब्रीद 2 में नजर आए थे। इसमें उनकी परफॉर्मेंस को बहुत पसंद किया गया। अब वह डायरेक्टर अनुराग बसु की मल्टीस्टार ड्रामा 'लूडो' में काम करते दिखाई देंगे। इसमें राजकुमार राव, आदित्य रॉय कपूर, सान्या मल्होत्रा, फातिमा सना शेख और पंकज त्रिपाठी अहम भूमिकाओं में हैं।

सरकार के आदेश के बिना ही खोल दिए स्कूल, स्टूडेंट्स को बुलाने वाले स्कूलों के खिलाफ की जाएगी कार्रवाई

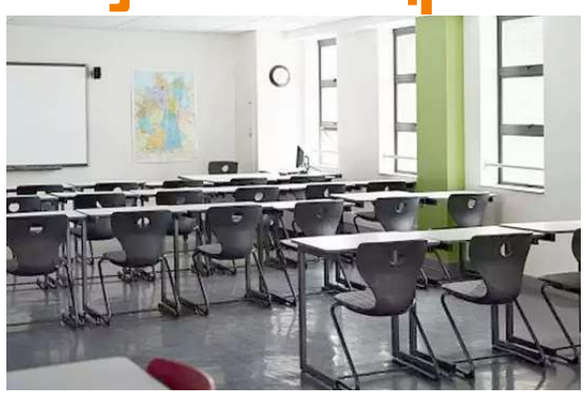

भिवंडी, कोविड-19 को लेकर राज्य सरकार के आदेशों का उल्लंघन करते हुए शहर के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में पढ़ाई शुरू कर दी गई है। यहां न तो कोविड 19 के नियमों का पालन किया जा रहा है और न ही सोशल डिस्टेंसिंग का। महानगरपालिका (मनपा) ने इन स्कूल और कॉलेजों के खिलाफ सख्त रवैया अपना लिया है। मनपा ने शिक्षण संस्थाओं को चेतावनी देते हुए कहा है कि निःशुल्क पुस्तक वितरण और स्कूल पोषण आहार के अलावा अगर विद्यालयों में छात्रों को बुलाया गया तो उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि कोरोना संक्रमण के कारण मार्च में लॉकडाउन लगाए जाने के बाद से सभी स्कूल, कॉलेज बंद कर दिए गए थे।इसके कारण निजी विद्यालयों में अधिकांश फीस बकाया रह गई थी।

जून में नया सत्र शुरू होने पर बकाया फीस भी लगभग जमा हो जाती है लेकिन कोरोना संक्रमण के कारण अभी तक स्कूलों को शुरू करने का निर्णय सरकार ने नहीं लिया है।

स्कूल अगर इसी तरह से बंद रहे तो छात्रों द्वारा फीस जमा नहीं की जाएगी। इसके कारण फीस वसूलने के लिए शहर के कई स्कूलों ने नौंवी और दसवीं के छात्रों को पिछले दो हफ्ते से बुलाकर पढ़ाना शुरू कर दिया है।

छात्रों को बुलाए जाने वाले स्कूलों में कोविड 19 के नियमों का भी पालन नहीं किया जा रहा है। अधिकांश छात्र जहां मास्क लगाकर भी नहीं आ रहे हैं, वहीं कक्षा में सोशल डिस्टेंसिंग का भी पालन नहीं किया जा रहा है। स्कूलों में छात्रों के लिए सैनेटाइज की भी व्यवस्था नहीं की गई है। एक स्कूल के शिक्षक ने बताया कि उनकी कक्षा में 50 से 60 बच्चों को बैठाकर सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

उपायुक्त मुख्यालय डॉ. दीपक सावंत ने सभी मुख्याध्यापकों को भेजे गए पत्र में कहा है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूल, कॉलेजों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्याध्यापकों को सोशल मीडिया के माध्यम से भेजे गए पत्र में उपायुक्त डॉ. सावंत ने कहा है कि निःशुल्क पुस्तक वितरण एवं स्कूल पोषण वितरण के अलावा किसी भी परिस्थिति में छात्रों को स्कूलों में नहीं बुलाना है।

सेंट्रल रेलवे पर चलेंगी 8 और लोकल ट्रेन, 2 लेडीज स्पेशल भी

मुंबई, लोकल ट्रेन में लगातार बढ़ रहे यात्रियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए सेंट्रल रेलवे ने 8 और अतिरिक्त लोकल ट्रेन चलाने का फैसला लिया है। रेलवे के इस निर्णय के बाद रोजाना अब 423 के बजाय 431 लोकल ट्रेन यात्रियों की सेवा में उपलब्ध होगीं।

मध्य रेल वर्तमान में महाराष्ट्र सरकार द्वारा अधिसूचित आवश्यक सेवाओं के कर्मचारियों के लिए 423 विशेष उपनगरीय सेवाओं का परिचालन कर रही है। सोशल डिस्टेंसिंग को बनाए रखने और भीड़ से बचने के लिए मध्य रेल ने 1 अक्टूबर से दैनिक विशेष उपनगरीय सेवाओं की संख्या 423 से बढ़ाकर 431 करने का निर्णय लिया है। विशेष ट्रेन में महिला यात्रियों की बढ़ रही संख्या का भी रेलवे ने खयाल रखा है। 8 अतिरिक्त सेवा में सेंट्रल लाइन पर 2 लेडीज स्पेशल ट्रेन चलाई जाएंगी। कुल 8 लोकल में से 4 स्पेशल ट्रेन सेंट्रल लाइन पर चलेगी, इसमें 2 महिला विशेष होगीं, जबकि ट्रांस हार्बर लाइन पर 4 ट्रेन चलाई जाएंगी। लेडीज स्पेशल

एक अप लेडीज स्पेशल कल्याण से 08.25 बजे प्रस्थान करेगी और 09.34 बजे सीएसएमटी पहुंचेगी। एक डाउन लेडीज स्पेशल 17.35 बजे सीएसएमटी से प्रस्थान करेगी और 18.44 बजे कल्याण पहुंचेगी। डाउन स्पेशल 09.45 बजे सीएसएमटी से प्रस्थान करेगी और 10.50 बजे कल्याण पहुंचेगी। अप स्पेशल कल्याण से 16.10 बजे प्रस्थान करेगी और 17.16 बजे सीएसएमटी पहुंचेगी। यह स्पेशल लोकल फास्ट होगी और केवल भायखला, दादर, कुर्ला, घाटकोपर, मुलुंड, ठाणे, दिवा और डोंबिवली स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रांसहार्बर लाइन की विशेष ट्रेन ट्रांसहार्बर लाइन पर 4 विशेष ट्रेन में 2 अप और 2 डाउन दिशा में चलेंगी। पनवेल स्पेशल ठाणे से 09.00 बजे प्रस्थान करेगी और 09.52 बजे पनवेल पहुंचेगी। पनवेल स्पेशल ठाणे से 18.30 बजे प्रस्थान करेगी और 19.24 बजे पनवेल पहुंचेगी। ठाणे स्पेशल पनवेल से 07.55 बजे प्रस्थान करेगी और 08.50 बजे ठाणे पहुंचेगी। ठाणे स्पेशल पनवेल से 17.20 बजे छूटेगी और 18.15 बजे ठाणे पहुंचेगी। यह ट्रेन फास्ट ट्रैक पर दौड़ेगी। रबाले, कोपरखैरने, तुर्भे, जुईनगर, नेरुल और बेलापुर स्टेशनों पर रुकेगी।

दुनिया की कोई ताकत पीड़ित परिवार का दुख बांटने से मुझे नहीं रोक सकती- राहुल गांधी

हाथरस में गैंगरेप की शिकार पीड़िता के परिवार से तीन दिनों के बाद प्रशासन ने मीडिया को मिलनेकी इजाजत दी। पूरे गांव और उसके बाहर पुलिस ने घेराबंदी कर रखी थी। एक दिन पहले ही राहुल गांधी और प्रियंका गांधी पीड़िता के परिवार से मिलने रवाना हुए थे जिन्हेंगांव तक जाने नहीं दिया गया। बीच मेंही उनके काफिले को रोक कर उन्हें हिरासत में ले लिया था अब एक बार फिर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि मुझे दुखी परिवार से मिल कर उनका दुख दर्द बांटने से कोई रोक नहीं सकता। आज राहुल एक बार फिर से हाथरस जा सकते हैं। जिसे देखते हुए नोयडा बाार्डर पर पुलिस ने घेराबंदी कर रखी है। इस बीच राहुल ने ट्वीट कर कहा है कि दुनिया की कोई भी ताकत मुझे हाथरस के इस दुखी परिवार से मिलकर उनका दर्द बांटने से नहीं रोक सकती। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस के कई सांसद हाथरस जाएंगे और शोकाकुल परिवार से मुलाकात करेंगे। सूत्रों ने बताया, 'कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल परिवार से मुलाकात कर उनके लिए न्याय की मांग करेगा।

सड़क पर थूकनेवालों पर बीएमसी की कार्रवाई, जानिए किस इलाके में सबसे अधिक हुई वसूली

मुंबई, कोरोना संकट से जूझ रही मुंबई को बचाने के लिए जारी गाइडलाइंस को भी कुछ लोग नहीं मान रहे हैं। ऐसे लापरवाह लोगों को सबक सिखाने के लिए बीएमसी कड़ा कदम उठा रही है। मास्क न लगाने और सार्वजनिक स्थानों पर फालतू घूमनेवालों से बीएमसी जुर्माना वसूल रही है। मुंबई में अब सार्वजनिक स्थानों पर थूकनेवालों पर भी बीएमसी फाइन लगा रही है। कोरोना संकट को देखते हुए बीएमसी ने 17 सितंबर से सार्वजनिक स्थानों पर थूकनेवालों पर 200 रुपये दंड लगाने की शुरुआत की है। 17 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच 15 दिनों में बीएमसी की टीम ने 852 लोगों को सार्वजनिक स्थानों पर थूकते हुए पकड़ा। जिनसे कुल 1 लाख 46 हजार रुपये की दंड वसूली की गई। बता दें कि डॉक्टरों ने स्पष्ट कहा है कि सार्वजनिक स्थानों पर थूकने से बीमारी फैल सकती है। इसलिए किसी को भी सार्वजनिक स्थानों पर नहीं थूकना चाहिए।

घाटकोपर, कुर्ला, गोरेगांव में सबसे अधिक फाइन

सार्वजनिक स्थानों पर सबसे ज्यादा थूकनेवाले घाटकोपर एरिया में पकड़े गए हैं। यहां 15 दिनों के भीतर 232 लोगों को पकड़ा गया है। इनसे 40100 रुपये दंडस्वरूप वसूले गए। इसके बाद कुर्ला, साकीनाका एरिया में 154 लोग थूकते हुए पकड़े गए, जिनसे बीएमसी की टीम ने 17900 रुपये वसूले।

इसके बाद गोरेगांव में 130 लोग पकड़े गए, जिन पर 26000 रुपये का फाइन लगाया गया। मुंबई के 24 वॉर्डों में से घाटकोपर, कुर्ला एवं गोरेगांव में सार्वजनिक स्थानों पर थूकते हुए सबसे ज्यादा लोग पकड़े गए हैं। वहीं, अन्य 23 वॉर्डों में थूकते हुए पकड़े जाने वालों का आंकड़ा 100 से कम है।

बिना मास्कवालों पर 60.48 लाख का जुर्माना

कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए बीएमसी ने मुंबई में मास्क पहनना अनिवार्य किया है। फिर भी लोग बिना मास्क पहने घूमते हुए पकड़े जा रहे हैं। बीएमसी की टीम ने इन लोगों से 60 लाख, 48 हजार, 500 रुपये का दंड वसूला है। बता दें कि बीएमसी ने मुंबई में 20 अप्रैल से मास्क लगाना अनिवार्य कर दिया था। तब बीएमसी ने कहा था कि बिना मास्क लगाए पकड़े जानेवालों से 1000 रुपये का दंड वसूला जाएगा। बीएमसी ने 20 अप्रैल से 12 सितंबर तक बिना मास्क घूमने वाले 49991 लोगों पर 33 लाख, 68 हजार 700 रुपये का जुर्माना लगाया, जबकि 13 सितंबर से फाइन की राशि बीएमसी ने घटाकर 200 रुपये कर दी। इसके बावजूद बड़ी संख्या में लोग बिना मास्क लगाए घूमते हुए पकड़े जा रहे हैं।

हाथरस जाते राहुल गांधी संग बुरा बर्ताव लोकतंत्र से गैंगरेप हैः संजय राउत

मुंबई, गुरुवार को उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ किए गए बर्ताव को शिवसेना के सांसद संजय राउत ने लोकतंत्र के साथ गैंगरेप बताया है। राउत ने कहा, 'राहुल गांधी एक राष्ट्रीय स्तर के राजनेता है। हमारे कांग्रेस के साथ मतभेद हो सकते हैं, लेकिन पुलिस ने उनके साथ जो व्यवहार किया है, उसका कोई समर्थन नहीं कर सकता... उनका कॉलर पकड़ा गया और जमीन पर धक्का दे दिया। यह एक तरीके से देश के लोकतंत्र का गैंगरेप है। इसकी जांच होनी चाहिए।' राउत ने कहा कि इसका उद्देश्य यह सुनिश्चत करना था कि 'गरीब लड़की और उसके परिवार द्वारा न्याय की मांग दुनिया के सामने नहीं आए।' कंगना रनौत को लेकर राउत ने कहा, 'जिन लोगों ने एक अभिनेत्री के अवैध निर्माण को ढहाने पर हमारे खिलाफ आवाज उठाई, उन्हें हाथरस पीड़िता के लिए न्याय की मांग करनी चाहिए।'

ठाणे के अर्कांडिया शॉपिंग सेंटर में लगी आग, कोई हताहत नहीं

ठाणे, महाराष्ट्र में ठाणे के पश्चिमी इलाके में हीरानंदानी एस्टेट के अर्कांडिया शॉपिंग सेंटर में शुक्रवार सुबह आग लग गयी। आग की सूचना मिलते ही दमकल की गाडियां और क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन की टीम मौके पर पहुंच बचाव कार्यो में जुट गयी। इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। घटनास्थल पर अग्निशमन का कार्य अभी जारी है। पुणे के कुरकुंभ और चेंबूर में बाजार में लगी आग महाराष्ट्र के अलग-अलग इलाकों में बीते दो दिनों से आग लगने की घटनायें हो रही हैं, वीरवार को पुणे के कुरकुंभ एमआइडीसी क्षेत्र में एक रासायनिक कारखाने में आग लग गयी थी हालांकि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया था। इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं थी। मुंबई के चेंबूर रेलवे स्टेशन के पास एक बाजार में भी वीरवार को आग लग गयी थी। आग को बुझाने के लिए 10 दमकल वाहन मौके पर पहुंच गये थे हालांकि आग लगने के कारण के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पायी थी।

5 और 6 अक्टूबर को कुछ हिस्सों में पानी कटौती

मुंबई, बांद्रा पूर्व में 48 इंच व्यास की पानी सप्लाई की मुख्य पाइपलाइन की मरम्मत का कार्य 5 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से 6 अक्टूबर दोपहर 12 बजे होगा। पाइपलाइन की मरम्मत के कार्य में 24 घंटे का समय लगेगा। इसीलिए बांद्रा पूर्व व धारावी के कुछ हिस्सों में 5 व 6 अक्टूबर को पानी की कटौती की जाएगी। कुछ भागों में इस दौरान 50 प्रतिशत पानी की कटौती होगी। बीएमसी जनसंपर्क विभाग के मुताबिक धारावी मेन रोड, गणेश मंदिर रोड, एकेजी नगर रोड, कुंभारवाडा, संत गोरा कुम्भार रोड व दिलीप कदम मार्ग परिसर में 5 अक्टूबर को शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक 50 प्रतिशत पानी की आपूर्ति की जाएगी। वहीं धारावी के जास्मिन मिल रोड में 6 अक्टूबर को सुबह 4 बजे से दोपहर 12 बजे तक पानी आपूर्ति पूरी तरह से बाधित रहेगी। बांद्रा पूर्व में बांद्रा टर्मिनस परिसर व बांद्रा रेलवे कॉलोनी में 5 अक्टूबर दोपहर 12 बजे से 6 अक्टूबर दोपहर 12 बजे तक पानी आपूर्ति पूरी तरह बंद रहेगी। नवापाडा, निर्मल नगर, बेहरामपाडा, शांतिलाल कंपाउंड, कला नगर, बेहरामपाडा, गोलीबार सड़क का कुछ भाग और बीकेसी में 6 अक्टूबर को सुबह 5 बजे से 9 बजे तक कम दबाव में पानी की आपूर्ति होगी। बता दें कि कला नगर एरिया में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के निजी निवास स्थान मातोश्री भी आता है। इसलिए मुख्यमंत्री को भी पानी कटौती का सामना करना पड़ेगा।

'अटल टनल' का 26 साल का काम 6 साल में हुआ पूरा, लाइफ लाइन बनेगी लेह-लद्दाख की यह टनल

मनाली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज हिमाचल प्रदेश के रोहतांग में 10 हजार फीट की ऊंचाई पर बने दुनिया की सबसे लंबी सुरंग 'अटल टनल' का उद्घाटन किया। अटल सुरंग दुनिया की सबसे लंबी राजमार्ग सुरंग है। इसकी लंबाई 9.02 किलोमीटर है जो मनाली को लाहौल-स्पीति घाटी से जोड़ेगी। देश के रक्षामंत्री श्रीमान राजनाथ सिंह जी, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर जी, केंद्रीय मंत्रिमंडल में मेरे साथी हिमाचल न छोकरोअनुराग ठाकुर, हिमाचल सरकार के मंत्रीगण, अन्य जनप्रतिनिधिगण, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफजनरल बिपिन रावत जी, आर्मी चीफ, रक्षा मंत्रालय बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन से जुड़े सभी साथी और हिमाचल प्रदेश के मेरे भाइयो और बहनों। आज का दिन बहुत ऐतिहासिक है। आज सिर्फ अटलजी का ही सपना नहीं पूरा हुआ है, आज हिमाचल प्रदेश के करोड़ों लोगों का भी दशकों पुराना इंतजार खत्म हुआ है। मेरा बहुत बड़ा सौभाग्य है कि आज मुझे अटल टनल के लोकार्पण का अवसर मिला है। और जैसा अभी राजनाथ जी ने बताया, मैं यहां संगठन का काम देखता था, यहां के पहाड़ों, यहां की वादियों में अपना बहुत ही उत्तम समय बिताता था और जब अटलजी मनाली में आकर रहते थे तो अक्सर उनके पास बैठना, गपशप करना। और मैं और धूमल जी एक दिन चाय पीते-पीते इस विषय को बड़े आग्रह से उनके सामने रख रहे थे। और जैसा अटलजी की विशेषता थी, वो बड़े आंखें खोल करके हमें गहराई से पढ़ रहे थे कि हम क्या कह रहे हैं। वो मुंडी हिला देते थे कि हां भई। लेकिन आखिरकार जिस बात को लेकर मैं और धूमल जी उनसे लगे रहते थेवो सुझाव अटलजी का सपना बन गया संकल्प बन गया और आज हम उसे एक सिद्धि के रूप में अपनी आंखों के सामने देख रहे हैं। इससे जीवन का कितना बड़ा संतोष हो सकता है, आप कल्पना कर सकते हैं। अब ये कुछ मिनट पहले हम सबने एक मूवी भी देखी और मैंने वहां एक पिक्चर गैलरी भी देखी- अक्सर लोकार्पण की चकाचौंध में वो लोग कहीं पीछे रह जाते हैं जिनके परिश्रम से ये सब संभव हुआ है।

टेस्ट मे बेस्ट पीएम फास्ट फूड

द पीएम फास्ट फूड का शुभारंभ दि. 4-10-2020 रविवार के दिन तुलसी दर्शन रॉ हाउस योगी दर्शन गेट न. 2 के सामने योगी चौक से सीमाड़ा रोड सूरत फास्ट फूड सेव उसल, समोसा, वडा पाव स्पेशलिस्ट फॉर केला बेफर्स यह शॉप प्रेम मोलया, मुकेश भाई भोरनिया द्वारा शुभारंभ किया गया।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है।
संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।